शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 96 | गुवाहाटी | सोमवार, 4 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हमारा देश एकता के बल पर चलेगा न कि नफरत और बंटवारे की राजनीति से : मदनी पेज 2
प्रदेश भर में रास महोत्सव की व्यापक तैयारी पेज 3
राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में भाग लेकर देवनानी करेंगे... पेज 5
वानखेड़े स्टेडियम में एजाज पटेल ने मचाया धमाल, न्यूजीलैंड ने किया... पेज 7

भाषा गौरव सप्ताह शुरू

गुवाहाटी। केंद्र द्वारा असमिया को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने का जश्न मनाने और राज्य की समृद्ध भाषाई विविधता का सम्मान करने के लिए, रविवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में सप्ताह भर चलने वाला *भाषा गौरव सप्ताह* शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रनोज पेगू और कृषि मंत्री अतुल बोरा सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने असमिया और राज्य की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से जुड़ी प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री बोरा ने उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने असमिया भाषा पर शोध करने और इसके समृद्ध इतिहास में योगदान देने के लिए वर्षों समर्पित किए हैं। उन्होंने कहा कि 2000 साल पुरानी भाषा को आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मान्यता मिली है, जिसे पिछली सरकारें हासिल करने में विफल रहीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि इस सप्ताह, विभिन्न भाषाई समूहों के लोग अपनी भाषाओं का जश्न मनाएंगे और उन्हें संरक्षित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करेंगे। इसी से जुड़ी एक पहल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने भवानीपुर विधायक फणीधर तालुकदार के साथ मिलकर बाजाली जिले के पाठशाला कस्बे में भाषा गौरव सप्ताह के तहत एक रैली का नेतृत्व किया। इस रैली में छात्रों और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रेस को संबोधित करते हुए दास ने असमिया भाषा को जीवित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला तथा समुदाय से दैनिक बातचीत में -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने असम के लोगों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भाषा गौरव सप्ताह के मौके पर असम के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं और #भाषागौरवसप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर एक पोस्ट में, उन्होंने हाल ही में असमिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने का जश्न मनाया, जो इस क्षेत्र की समृद्ध भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को एक महत्वपूर्ण मान्यता प्रदान करना है। प्रधानमंत्री ने आज असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा असम की समृद्ध भाषाई विरासत के एक सप्ताह तक चलने वाले उत्सव- भाषा गौरव सप्ताह- की शुरुआत की घोषणा करने वाले एक पोस्ट का जवाब देते हुए, ट्वीट किया: #भाषागौरवसप्ताह एक उल्लेखनीय प्रयास है, जो असमिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने पर लोगों के उत्साह को दर्शाता है। मेरी शुभकामनाएं। सप्ताह भर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम लोगों और असमिया संस्कृति के बीच जुड़ाव को और मजबूत करेंगे। मैं असम के बाहर रहने वाले असमिया लोगों से भी इसमें भाग लेने का आग्रह करता हूं।

मोदी सरकार का शिक्षा सुधार भारत को *विश्व गुरु* बनने की राह पर ले जाएगा : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के 78वें स्थापना दिवस और डिब्रू कॉलेज के 62वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए छात्र समुदाय को संबोधित किया। सोनोवाल ने देश के शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर प्रकाश डाला, जिसने भारत को *विश्व गुरु* बनने की राह पर अग्रसर किया है। असम मेडिकल कॉलेज के युवा छात्रों से केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में किसी भी डॉक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यह बहुत गर्व की बात है कि असम मेडिकल कॉलेज की समृद्ध विरासत आप सभी के सुरक्षित हाथों में है, ताकि इस सोच को आगे बढ़ाया जा सके और लोगों के जीवन को शारीरिक और मानसिक रूप से समृद्ध बनाया जा सके। कोविड के खतरे को कम करने के लिए डॉक्टर समुदाय के साथ-साथ हमारे वैज्ञानिकों की कुशलता बहुत जरूरी साबित हुई। जहां टीकाकरण ने लोगों को स्वस्थ किया, वहीं डॉक्टर समुदाय की निःस्वार्थ सेवा ने समुदाय को स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा आज, जब नैदानिक उत्कृष्टता की बात आती है, तो भारत के डॉक्टरों की प्रतिभा शीर्ष पायदान पर है। चिकित्सा पर्यटन का तेजी से विकास इसका प्रमाण है। जबकि, हम समकालीन चिकित्सा पद्धति में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, हमारी सदियों पुरानी पारंपरिक औषधीय -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अविनीत स्वामी के होने से तो स्वामी का ना होना अच्छा है।

– **आचार्य चाणक्य**

मुख्यमंत्री हिमंत ने सिसई में हेमंत सरकार पर साधा निशाना

गुमला (हि.स.)। झारखंड के गुमला जिले के सिसई विधानसभा क्षेत्र के केतेतरबीरा गांव में रविवार को डाईर जतरा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड में युवाओं को नौकरी नहीं मिलती है। सरकार के इशारे में पेपर लीक हो जाता है। मईयां सम्मान योजना के नाम पर हेमंत सरकार महिलाओं को ठगने का काम कर रही है। बुजुर्गों का पेंशन बंद कर मईयां सम्मान योजना का पैसा दे रही है। चुनाव नजदीक होने के ठीक पहले यह योजना लागू किया गया। जब सरकार बनी तब क्यों -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड में लागू होगी समान नागरिक संहिता : अमित शाह

रांची (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर शनिवार की देर रात रांची पहुंचे। उन्होंने रविवार को रांची के होटल रेडिसन ब्लू में भाजपा का झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए *संकल्प पत्र* जारी किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू होकर रहेगी लेकिन इससे आदिवासी किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होंगे। उनके कानून, उनकी परंपराएं और उनकी संस्कृति पूर्ववत रहेंगी। यूसीसी से आदिवासियों को बाहर रखा जाएगा। शाह ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और आदिवासियों की आबादी को संरक्षित करने के लिए यूसीसी जरूरी है। झारखंड में हम इसे जरूर लागू करेंगे। हेमंत सोरेन और उनके सहयोगी दलों के नेता यूसीसी के बारे में दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और उसके सहयोगी दल -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री सोरेन का पलटवार, कहा-

यूसीसी नहीं

रांची। झारखंड में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) लागू करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के कुछ ही देर बाद रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाएगी। सोरेन ने जोर देकर कहा कि झारखंड आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियमों का पालन करेगा। गढ़वा में एक रैली में सोरेन ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिस्बेन पहुंचे जयशंकर आज करेंगे वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रधानमंत्री का वादा पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गए हैं। वह कल ब्रिस्बेन में एक वाणिज्य दूतावास का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। बता दें, प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान भारतीयों से वादा किया था कि वे ब्रिस्बेन में एक वाणिज्य दूतावास खोलेंगे। वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन से पहले जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ब्रिस्बेन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हावड़ा मेल में धमाका चार यात्री झुलसे

फतेहगढ़ साहिब। शनिवार रात 10 बजकर 20 मिनट पर अमृतसर-हावड़ा मेल सरहिंद स्टेशन से रवाना हुई कि उसमें एक धमाका हो गया। धमाका जरनल कोच में हुआ। भीड़ और सामान से खचाखच भरे जरनल कोच में धमाके और धुएं से चीख चिल्लाहट मच गई। जान बचाने के लिए यात्रियों ने ट्रेन से कूदना शुरू कर दिया। धमाके के कारण चार यात्री -शेष पृष्ठ दो पर

अब देश के हर जिले में होगी एक महिला हितैषी ग्राम पंचायत

नई दिल्ली। जमीनी स्तर से ही विकास योजनाओं में हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत मोदी सरकार का जोर महिलाओं को लेकर खास तौर पर है। इसी उद्देश्य के साथ ग्राम पंचायत विकास योजनाएं बनाने से पहले महिला सभाओं और बाल-बालिका सभाओं को अनिवार्य किया गया है। अब सरकार चाहती है कि देश के हर जिले में कम से कम एक ग्राम पंचायत महिला हितैषी ग्राम पंचायत -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल ने प्रियंका के लिए किया प्रचार वायनाड में जमकर की बहन की तारीफ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा उपचुनाव के लिए आज वायनाड के मनंतवाडी में अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने मनंतवाडी की जनता को भरोसा दिलाया कि प्रियंका उनके लिए सबसे अच्छी सांसद साबित होगी। राहुल ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि वह मेरी बहन है और अब आप सभी भी भाग्यशाली होंगे। वह आपकी बहन की तरह, आपकी मां की तरह, आपकी बेटी की तरह होंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि आपको सबसे बेहतरीन सांसद मिलने जा रहा है। अपने संबोधन को शुरू करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह पहली बार है कि मैं अपनी बहन के लिए प्रचार करने के लिए किसी मीटिंग में आया हूं। मेरे पहले चुनाव के दौरान, मेरी बहन ने मेरे लिए प्रचार किया था और तब से वह ऐसा कर रही है। उसने हमारी मां के लिए प्रचार -शेष पृष्ठ दो पर

अवैध वसूली करने पहुंचे दो दरोगा को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

मेरठ। मेरठ के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र में दो दारोगा को अवैध वसूली के आरोप में ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। इस घटना के दौरान दोनों दारोगा ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया, जिससे हंगामा खड़ा हो गया। यह मामला शनिवार रात का है, जब दारोगा गोविंदपुरी गांव में पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने एक युवक पर अवैध पटाखे बेचने का आरोप लगाया और पैसे की मांग की। इस दौरान दारोगा और युवक के बीच कहा-सुनी हो -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीनगर के व्यस्त बाजार में आतंकियों ने किया ग्रेनेड से हमला, 12 घायल

श्रीनगर (हि.स.)। श्रीनगर में रविवार को पर्यटन स्वागत केंद्र (टीआरसी) के पास आतंकियों के ग्रेनेड हमले में 12 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना को परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। घटना के संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में साप्ताहिक रविवार बाजार के लिए खरीदारों की भारी भीड़ थी। उसी समय आतंकियों ने टीआरसी के पास एक व्यस्त बाजार में लोगों को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड फेंका, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने सुरक्षा एजेंसियों को कड़े कदम उठाने के दिए निर्देश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के रविवार बाजार में हुए ग्रेनेड हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 11 लोग घायल हुए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा तंत्र को जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

अविश्वसनीय : रूस ने गूगल पर लगाया धरती पर मौजूद कुल सम्पति से भी अधिक जुर्माना

मॉस्को। रूस और गूगल के बीच चल रही तनातनी अब विश्व स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है। रूस, जो यूक्रेन के साथ सीधे युद्ध में लगा हुआ है, अमेरिका के साथ आर्थिक संघर्ष भी कर रहा है। ऐसे में, रूस ने अमेरिकी टेक कंपनी गूगल पर ऐसा जुर्माना लगाया है, जिसकी राशि इतनी विशाल है कि यह धरती पर मौजूद कुल धन संपति से भी अधिक है। रूस की अदालत ने गूगल पर 2.5 डेसिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है, जो अमेरिकी गिनती के अनुसार 1 के आगे 36 जीरो के बराबर है। इसे मान लेना मुश्किल है कि इतनी बड़ी राशि का कभी भुगतान किया जा सकेगा। इस विवाद की शुरुआत लगभग चार साल पहले हुई थी, जब गूगल ने क्रेमलिन समर्थक यूजर्स तथा सरकारी मीडिया चैनलों, जैसे त्सारग्राद टीवी और आरआईए फैन के अकाउंट्स को यूट्यूब से हटा दिया था। गूगल का तर्क था कि इन चैनल्स ने प्रतिबंधित कानूनों और व्यापार नियमों का उल्लंघन किया है। इसके जवाब में, मॉस्को कोर्ट ने गूगल को आदेश दिया कि वह इन चैनलों के अकाउंट्स को फिर से बहाल करे, अन्यथा दैनिक 100,000 रूबल जुर्माना लगाया जाएगा। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के साथ, गूगल ने कई अन्य रूस-समर्थित मीडिया चैनलों के अकाउंट भी बंद कर दिए। परिणामस्वरूप, रूस के 17 टीवी चैनलों ने गूगल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की, जिससे जुर्माने की राशि बढ़ती गई। रूस में गूगल का संचालन काफी हद तक घटित हो चुका है; हालांकि, कई अमेरिकी टेक कंपनियों की तरह, गूगल ने अपने सभी ऑपरेशन्स नहीं हटाए हैं। इसके बावजूद, रूस के अधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

धोलाई में भाजपा के टिकट पर बांग्लादेशी उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव : कांग्रेस

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आगामी उपचुनाव में धोलाई से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार निहार रंजन दास की उम्मीदवारी पर चिंता जताई है और आरोप लगाया है कि वह बांग्लादेशी मूल के हैं। बोरा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से इस मुद्दे पर ध्यान देने और असम के लोगों को स्पष्टता प्रदान करने का आह्वान किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए, भूपेन बोरा ने कहा कि सार्वजनिक रूप से, अमिया कांति दास ने उल्लेख किया कि धोलाई के भाजपा उम्मीदवार निहार रंजन दास बांग्लादेशी हैं। यह बयान किसी और ने नहीं, बल्कि असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के करीबी विश्वासपात्र अमिया कांति दास ने दिया था। कांग्रेस नेता -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हमारा देश एकता के बल पर चलेगा न कि नफरत और बंटवारे की राजनीति से : मदनी

नई दिल्ली (हि.स.)। हमारा देश हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई की एकता के बल पर चलेगा ना कि नफरत और बंटवारे की राजनीति से चलेगा। हमारे देश की दुनिया में जो पहचान है, वही पहचान हमेशा बरकरार रहेगी। भारतीय जनता पार्टी को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करके देश में नफरत और भेदभाव की राजनीति करने के बजाय उसमें सुधार लाना चाहिए। यह विचार जमीअत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित संविधान संरक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मौलाना ने कहा कि हमारे देश के लोगों ने लोकसभा चुनाव में नफरत की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी को हाराने का काम किया था। अगर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की बैसाखियों का सहारा नहीं मिलता तो भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने में कामयाब नहीं होती। उन्होंने कहा कि आखिर क्या वजह थी कि 2014 में जिस बहुमत से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई थी, 2024 में उस पार्टी की हालत सत्ता के करीब पहुंचने से रह गई थी। हमारे देश के शांतिप्रिय लोग देश में अमन और शांति चाहते हैं, वह नफरत और भेदभाव और बंटवारे की राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने की सोची समझी रणनीति के तहत लाया गया है। यह वक्फ विधायक हमें किसी भी स्थिति में कबूल नहीं है, हम इसका हर स्तर पर विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि विधेयक में कई ऐसी बातें शामिल की गई है, जिससे सरकार की मंशा उजागर होती है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार के जरिए समान नागरिक संहिता लागू किए जाने के फैसले का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में मौजूद विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, समुदायों व आदिवासियों के मौजूद रहते हुए एक समान नागरिक संहिता को किसी भी सूरत में लागू नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आप किसी को किसी के धर्म, संस्कृत, भाषा रीति रिवाज से अलग कैसे कर सकते हैं, जबकि संविधान ने सभी को संरक्षण दिया है। इस मौके पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने भी केंद्र सरकार से पैगंबर मोहम्मद साहब सहित अन्य धर्मों के धर्मगुरुओं और सम्मानित व्यक्तियों के खिलाफ की जाने वाली अभद्र टिप्पणी या बेअदबी आदि करने के खिलाफ सख्त कानून लाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे देश में इस तरह की हरकतों को रोकने के लिए कड़ा कानून नहीं लाया जाता, तब तक सभी धर्मों के धर्मगुरुओं, पैगंबरों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का सिलसिला खत्म नहीं होगा।

समाज के लिए घातक है *बंटेंगे तो कटेंगे का नारा* : शिवपाल यादव

कानपुर (हिंस)। सपा का गढ़ कही जाने वाली सीसामऊ विधानसभा सीट को उपचुनाव में फिर जीत के लिए समाजवादी पार्टी ने पूरी ताकत लगा दी है। संगठन में मजबूत पकड़ रखने वाले पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव रविवार को कानपुर पहुंचे और कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि सीसामऊ में फिर समाजवादियों की ही जीत होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे *बंटेंगे तो कटेंगे* पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह नारा समाज के लिए घातक है और सपा इसका विरोध करती है। सपा महासचिव शिवपाल यादव ने पार्टी उम्मीदवार नसीम सोलंकी के सीसामऊ क्षेत्र स्थित पीपीएन मार्केट में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि कुछ अधिकारी जानबूझकर सपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को परेशान कर रहे हैं, ताकि पार्टी चुनाव में कमजोर पड़ जाए। यह वही अधिकारी है जिनको सपा सरकार में नौकरी मिली और पारदर्शिता के साथ काम करने की शपथ ली थी, लेकिन इस सरकार में अपनी शपथ को भूल गये हैं। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों का नाम नोट करके हमारे पास भेजें, ताकि सपा सरकार आने पर उनसे जवाब लिया जा सके। गुटबाजी की आशंका पर उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि उनकी टीम की निगाह हर एक पदाधिकारी और कार्यकर्ता पर रहेगी। सभी को एकजुट होकर फिर से समाजवादी पार्टी को सीसामऊ में जीतना है।

दो अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में शोणितपुर जिले के 50 वर्षीय दीपक बरुआ का इलाज के दौरान निधर हो गया। मालूम हो कि बरुवा पिछले 9 अक्तूबर से जीएमसीएच एचओ रेस्ट हाउस में इलाजरत थे। बाद में हालात बिगड़ने के चलते बरुआ को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार मृतक की पहचान के लिए उसके परिवार वाले खबर लिखे जाने तक नहीं आए हैं। शव को मुर्दा घर में रखा गया है। उधर जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 55 वर्षीय उस व्यक्ति की पिछले 8 अक्तूबर को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

कवच 4.0 : भारतीय रेल अपना रही एक उन्नत संरक्षा प्रौद्योगिकी प्रणाली

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल अपने नेटवर्क में ट्रेन परिचालन को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई एक स्वदेशी उन्नत संरक्षा प्रौद्योगिकी प्रणाली– कवच 4.0 के सफल कार्यान्वयन की ओर अग्रसर है। कवच 4.0 दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रेनों के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल द्वारा विकसित एक उन्नत व्यापक, प्रौद्योगिकी–संचालित समाधान है, जो संरक्षा एवं नियंत्रण की एक अतिरिक्त स्तर प्रदान करता है। यह प्रणाली स्वचालित रूप से ब्रेक लगाने में सक्षम है, यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल हो जाता है। चूँकि यह ड्राइवर के कैब में वास्तविक समय लाइन–साइड सिग्नल को प्रदर्शित करता है और रेडियो–आधारित संचार के माध्यम से निरंतर गतिविधियों का अपडेट प्राधिकरण को प्रदान करता है। अन्य प्रमुख विशेषताओं में समपार फाटकों पर स्वचालित सीटी के बजने, टकराव को रोकने के लिए इंजन से इंजन का संचार और आपात स्थिति में अधिकारियों को सचेत करने के लिए एक एसओएस कार्य प्रणाली शामिल हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि कवच 4.0 प्रणाली कई महत्वपूर्ण तकनीकी घटकों पर आधारित है, जिसमें स्टेशन कवच शामिल है, जो इंजन को दिशा देने के लिए लोको कवच और सिग्नलिंग सिस्टम से सूचना प्राप्त करता है और आरएफआईडी टैग, जो नियमित अंतराल पर पटरियों के साथ लगाए जाते हैं तथा ट्रेन के स्थान एवं दिशा की निगरानी के लिए सिग्नल प्वाइंट पर लगाए जाते हैं। संचार की रीढ़, जिसमें ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल और संचार टावर का संयोजन हैं तथा इंजन एवं स्टेशन के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान–प्रदान सुनिश्चित करते हैं।

बालीकुची में सड़क हादसा, एक युवक की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के दीपिला के बालीकुची में एक आज सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मृतक की पहचान बुढ़ार के जुगल बरुवा (28) के रूप में हुई है। हादसा उस समय हुआ जब बाइक से तेज गति से आ रहे युवक ने बाइक से अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

राज्य के 10 जिलों में मनाया जा रहा भाषा गौरव सप्ताह

दरंग (हिंस)। प्रदेश के 10 जिलों में आज से भाषा गौरव सप्ताह शुरू हो गया है। हाल ही में केंद्र सरकार ने असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी है, जिसके मद्देनजर राज्य सरकार के प्रयास से पूरे राज्य में भाषा गौरव सप्ताह मनाया जा रहा है। दरंग जिला साहित्य सभा ने गौरव भाषा सप्ताह के मद्देनजर आज दो विशिष्ट व्यक्तियों को विशेष सम्मान देकर सम्मानित किया है। दरंग रत्न पुरस्कार दरंग के दो महापुरुषों डॉ. नगेन शर्मा और इदरीस अली को दिया प्रदान किया गया। इस अवसर पर दोनों को रंगारंग शोभायात्रा में साथ लाया गया है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में असम साहित्य सभा के अध्यक्ष सूर्य कुमार हजारिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 3 अक्तूबर, 2024 को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया, और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था। इस तरह, भारत में शास्त्रीय भाषाओं की संख्या अब 11 हो गई है। इससे पहले, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला था।

पृष्ठ एक का शेष

भाषा गौरव सप्ताह ...

अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग कम से कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आजकल लोग अपनी मातृभाषा के मूल शब्दों को भूलने लगे हैं। हम वाक्यों के बीच में अंग्रेजी शब्दों को शामिल करके अपनी भाषा को नष्ट कर रहे हैं। मैं असम के लोगों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे जितना संभव हो सके असमिया भाषा का उपयोग करने का प्रयास करें। यह उत्सव मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा 27 अक्तूबर को कैबिनेट बैठक के दौरान की गई घोषणा के बाद शुरू हुआ, जिसमें असमिया को *शास्त्रीय भाषा* का दर्जा प्रदान किया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्तूबर को मराठी, पाली, प्राकृत और बंगाली के साथ असमिया को भी आधिकारिक तौर पर शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया था। जैसे–जैसे सप्ताह आगे बढ़ता है, असम भर के शैक्षणिक संस्थानों को राज्य की भाषाई विरासत की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्री बोरा ने कहा कि हम असम के सभी नागरिकों को समारोह में शामिल होने और भाषा के समृद्ध इतिहास में योगदान देने के लिए आमंत्रित करते हैं।

मोदी सरकार का शिक्षा ...

प्रणालियों ने स्वास्थ्य और मन को स्वस्थ बनाने में कारगर सिद्ध किया है। दुनिया को भारत का सबसे बड़ा सॉफ्ट पावर निर्यात योग है, जो पूरी मानवता के स्वास्थ्य और मन को स्वस्थ बना रहा है। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, हम एक समग्र उपचार प्रदान करने और पूर्ण कल्याण प्रदान करने के लिए पारंपरिक चिकित्सा के सर्वश्रेष्ठ को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत कर रहे हैं। विश्व स्तर के डॉक्टर और शोधकर्ता बनने के लिए हमारी प्रतिभा को समर्थन देने के लिए असम मेडिकल कॉलेज की विरासत को निखारा जाना चाहिए। बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए असम सरकार की 300 करोड़ रुपए की प्रतिबद्धता के अलावा, डिब्रूगढ़ लोकसभा के सांसद के रूप में, मैं निश्चित रूप से इस क्षेत्र में देखभाल और उपचार के अग्रणी केंद्र के रूप में एएमसी की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसमें कुछ और जोड़ूंगा। एएमसी डिब्रूगढ़ का गौरव है, असम का गौरव है और पूर्वोत्तर का गौरव है। आप पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे और मानवता को ठीक करते रहेंगे। एएमसी में आयोजित कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, राज्यसभा सांसद रामेश्वर तेली, सदिया के विधायक बोलिन चेतिया, डिब्रूगढ़ नगर निगम (डीएमसी) के मेयर डॉ. सैकत पात्रा, एएमसी के प्रिंसिपल प्रोफेसर संजीव काकती, एएमसी की वाइस प्रिंसिपल डॉ. रीमा नाथ के साथ–साथ मोरान ऑटोनोमस काउंसिल के सीईएम अरुण ज्योति, असम गैस कंपनी लिमिटेड की उपाध्यक्ष इंद्रा गोगोई, भाजपा डिब्रूगढ़ के जिला अध्यक्ष उज्वल कश्यप और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने आज यहां डिब्रू कॉलेज के 62वें स्थापना दिवस समारोह में भी भाग लिया। इसकी स्थापना जनता के सहयोग से की गई थी और अंततः यह क्षेत्र का अग्रणी कॉलेज बन गया, जिसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ। सोनोवाल ने आज यहां कॉलेज के संस्थापक प्रिंसिपल भरत नारायण जमवार और उप–प्राचार्य नंद लाल बोरगोहाईं को पुष्पांजलि भी अर्पित की। कार्यक्रम में सोनोवाल ने कहा कि 21वीं सदी प्रतिस्पर्धा की सदी है और हमें सम्मान के साथ सफलता प्राप्त करने के लिए इसमें भाग लेना चाहिए। डिब्रू कॉलेज आपको उस चुनौती के लिए तैयार करने के लिए है। पूरे पूर्वोत्तर से छात्र यहां पढ़ रहे हैं और यह राष्ट्र निर्माण के लिए योगदान देने वाले मानव संसाधनों को प्रशिक्षित और निखार रहा है। आप सभी को इसके लिए आभारी होना चाहिए। आज छात्रों से मेरी अपील है कि वे खुद को विकसित करने पर ध्यान दें। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है – आपको अपने चरित्र और अनुशासन पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। हमारे गतिशील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए अथक परिश्रम करते हैं, न केवल एक नेता के रूप में बल्कि देश की सेवा में पूरी तरह से डूबे हुए व्यक्ति के रूप में। आपको उनके जीवन में एक आदर्श मिल सकता है। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और राज्यसभा सांसद रामेश्वर तेली; डॉ. डिब्रूगढ़ के मेयर सैकत पात्रा; प्रोफेसर जितेन हजारिका, कुलपति, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय; प्रदीप कुमार बरुवा; डिब्रू कॉलेज की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष; अदिति बरुवा, प्रिंसिपल, डिब्रू कॉलेज के साथ–साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

योजना शुरू नहीं किया। शर्मा ने कहा कि यहां भाजपा की सरकार बनी तो 2 लाख 87 हजार युवाओं को नौकरी देंगे। साथ ही 21 लाख परिवारों को पक्का मकान देंगे। वृद्धा पेंशन की राशि 2 हजार करेंगे और गैस सिलिंडर 500 रुपए में देंगे। साल में 2 सिलिंडर मुफ्त देंगे। मकान बनाने के लिए बालू फ्री में देंगे। इसके अलावा अन्य वादे करते हुए कहा कि यहां नाम की आदिवासी सरकार है। आदिवासियों का काम नहीं हो रहा है और हमने असम में भरनो क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉलर सुमति कुमारी को असम राइफल में नौकरी दी है। इस दौरान शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी अरुण उरांव को वोट देकर विजयी बनाने की अपील की। इस मौके पर सिसई विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी डॉ अरुण उरांव ने कहा कि यहां के विधायक बालू के धंधे का बादशाह हैं। उनके संरक्षण में बालू की तस्करी होती है। बाहर के लोग यहां के आदिवासी बहनों से शादी कर उनके जमीन हड़प लेते हैं। हमारी सरकार बनी तो इसके लिए कठोर कानून बनाएंगे। हेमंत सरकार ने बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी जो आज तक किसी भी बेरोजगार को नहीं मिला। मंईयां सम्मान योजना के संबंध में उन्होंने कहा कि जो पैसा वृद्ध सास को पेंशन के रूप में मिलता था उसे बंद कर बहू के खाते में डाला जा रहा है, जिससे हर घर के सास–बहु में झगड़ा देखने को मिल रहा है। उन्होंने लोगों से अपने पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए एक मौका देने की बात कही। इस मौके पर सिसई विधानसभा क्षेत्र प्रभारी प्रवीण सिंह, सह प्रभारी अनूप चंद्र अधिकारी, संयोजक भोला प्रसाद केशरी, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड में लागू होगी ...

लोगों को यह बता रहे हैं कि भाजपा की सरकार बनेगी, तो यहां यूसीसी लागू हो जाएगा। यूसीसी आने पर आदिवासियों की सभ्यता और संस्कृति खतरे में पड़ जाएगी। हेमंत सोरेन और उनके साथियों का यह कहना गलत है। उन्होंने कहा कि यह तो सच है कि भाजपा की सरकार झारखंड में यूसीसी लागू करेगी लेकिन यह सच नहीं है कि इससे आदिवासियों पर कोई प्रभाव पड़ेगा। हम यूसीसी से आदिवासियों को बाहर रखेंगे। उनकी संस्कृति, उनकी परंपराओं पर इसका कोई असर नहीं होगा। शाह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा और कहा कि इसमें लिखी गई एक–एक बात, भाजपा का एक–एक वादा पत्थर की लकीर है। हम इसे जरूर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम ऐसा झारखंड बनाएंगे कि किसी को नौकरी करने के लिए अपने प्रदेश से बाहर नहीं जाना होगा। उन्होंने घुसपैठियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब चैन की नींद लेना बंद कर दो, जमीन हड़पना बंद कर दो। झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी और हम कानून बनाकर झारखंड के भोले–भाले आदिवासियों को उनकी जमीन वापस कराएंगे। ऐसा कानून बनाएंगे कि उसे पिछली तारीख से लागू किया जाए। शाह ने कहा कि हेमंत बाबू मैं हिसाब लेकर आया हूं। एक लाख 36 हजार करोड़ का हिसाब मैं दे रहा हूं। वर्ष 2004 से 2014 तक यूपीए सरकार ने झारखंड को 84 हजार करोड़ रुपए दिए जबकि 2014 से 2024 तक में मोदी सरकार ने झारखंड को तीन लाख 80 हजार करोड़ रुपए दिए।

यूसीसी नहीं

यहां न तो समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी और न ही एनआरसी। झारखंड पूरी तरह से छोटानागपुर काश्तकारी और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियमों का पालन करेगा। ये लोग (भाजपा नेता) जहर उगल रहे हैं और उन्हें आदिवासियों, मूल निवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है। इससे पहले, शाह ने भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय कहा कि हमारी सरकार झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार यह झूठा प्रचार कर रही है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी अधिकारों, संस्कृति और संबंधित कानून को प्रभावित करेगी। शाह ने जोर देकर कहा कि समान नागरिक संहिता भले ही लागू की जाएगी, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों के अधिकार प्रभावित न हों। सोरेन ने शाह की इस टिप्पणी पर भी तीखा हमला बोला कि झामुमो नीत गठबंधन नक्सलवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि दो चरणों में चुनाव होना इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद पर अंकुश लगा दिया गया है, जबकि पहले चुनाव पांच चरण में होते थे। सोरेन ने भाजपा की तुलना सूखते हुए पेड़ से की और उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का लक्ष्य खनिज संपदा के लिए स्थानीय निवासियों को विस्थापित करना है। सोरेन ने भाजपा पर उनकी सरकार को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र ने कोयला कंपनियों द्वारा खनन के लिए राज्य को 1.36 लाख करोड़ रुपए का कोयला बकाया अभी तक नहीं चुकाया है। बांग्लादेश से घुसपैठ को लेकर केंद्र के रुख पर सवाल उठाते हुए सोरेन ने पूछा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत आने की अनुमति क्यों दी गई, जबकि सरकार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि कौन से आंतरिक समझौते के तहत इसकी मंजूरी दी गई? सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत सरकार की है। सोरेन ने अपनी सरकार की कल्याणकारी पहलों, विशेषकर मैया सम्मान योजना का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना सभी समुदायों के सदस्यों को सहायता देने के लिए बनाई गई है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी।

ब्रिस्बेन पहुंचे जयशंकर ...

में रह रहे भारतीयों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह आपकी उपस्थिति, आपका प्रयास, आपका योगदान है, जिसके कारण वाणिज्य दूतावास संभव हो पाया है। एस जयशंकर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, हम मानते हैं कि हमने बहुत महत्वपूर्ण प्रगति की है और मैं इस प्रगति का श्रेय इस तथ्य को दूंगा कि हमने कई प्रयास शुरू किए हैं जो एक–दूसरे को बढ़ावा देते हैं, देश में व्यापार करना बहुत आसान बनाते हैं, जीवन को आसान बनाते हैं, गति शक्ति नामक कार्यक्रम के माध्यम से बुनियादी ढांचे में आमूल–चूल सुधार करते हैं, एक उल्लेखनीय प्रभावी डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को लागू करते हैं, समग्र रूप से शासन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं, राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करते हैं जो लिए गए निर्णयों को पूरी तरह से लागू करने और पहले के निर्णयों पर नए निर्णय लेने की अनुमति देता है।

राहुल ने प्रियंका ...

किया। उसने हमारे पिता के लिए भी प्रचार किया। वह हमेशा से ही प्रचारक रही है और अब तक कभी चुनाव में खड़ी नहीं हुई। यह उसके बारे में बहुत कुछ बताता है। जनता को प्रियंका गांधी की खूबिया बताते हुए राहुल ने कहा कि मेरी बहन एक अलग स्तर पर सोचती है। कई राजनेता एक किसान को देखते हैं और उसे सिर्फ *किसान* के रूप में लेबल करते हैं। मेरी बहन ऐसा नहीं कहेगी। उसके लिए, वह एक पिता है, एक भाई है। वह समझने की कोशिश करेगी कि वह व्यक्ति किस दौर से गुजर रहा है। वह किसान से बात करेगी और पूछेगी कि सही कीमतों से वंचित होने पर उसे कैसा महसूस होता है; जब वह अपने बच्चे की स्कूल फीस नहीं भर पाया या जब उसकी मां आईसीयू में थी और वह उसका खर्च नहीं उठा पाया तो उसे कैसा लगा। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि हर कोई लोगों पर लेबल लगाता है। वह उन लेबलों के पीछे चलने वाली एक व्यक्ति है। वह हर किसी के पास मौजूद लाखों लेबलों की खूबसूरती को समझती है। वह किसी ऐसे व्यक्ति में ताकत भी देख सकती है, जहां दूसरे लोग कमजोरी देखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी बहन के रूप में वह है और अब आप सभी भी भाग्यशाली होंगे। राहुल ने कहा कि कभी–कभी मैं ज़्यादा तार्किक होता हूं, लेकिन वह मुझसे ज़्यादा भावुक होती है। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि आपको सबसे बेहतरीन सांसद मिलने जा रहा है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं। आपके सांसद बनने के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। जहां भी देखो, गुस्सा, हिंसा और नफरत है, लेकिन इंसानियत कहां है? वह ऐसी इंसान है जिसने हमारे पिता की हत्या में शामिल लड़की को गले लगाया और कहा कि जब वे मिले तो उसे नलिनी के लिए बहुत दुख हुआ।

अवैध वसूली करने ...

गई, जिसके बाद एक दारोगा ने युवक को पीट दिया। युवक के साथ मारपीट होते ही वहां मौजूद अन्य ग्रामीण भड़क गए और दोनों दारोगा को बंधक बना लिया। इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के तीन थानों की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मेहनत के बाद दोनों दारोगा को छुड़ाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मेरठ के एसपी देहात, राकेश कुमार ने कहा कि अवैध पटाखे बेचने की शिकायत मिलने पर दारोगा वहां चेकिंग के लिए गए थे। गांव के लोगों का आरोप है कि दोनों दारोगा नशे में थे और उन्होंने वहां पिस्टल तानने की भी कोशिश की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें हंगामा और दारोगा का अपनी सुरक्षा की बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस घटना ने ग्रामीणों और पुलिस के बीच तनाव को बढ़ा दिया है। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत करने और स्थिति को संभालने का प्रयास किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई जारी रहेगी।

सीएम ने सुरक्षा ...

हर संभव प्रयास करना चाहिए। इस हमले में दो महिलाएं भी घायल हुई हैं, जब आतंकवादियों ने एक सीआरपीएफ बंकर के पास भीड़–भाड़ वाले बाजार में ग्रेनेड फेंका। अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हाल के दिनों में घाटी के विभिन्न हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ों की खबरें सामने आई हैं। आज श्रीनगर के रविवार बाजार में निर्दोष खरीददारों पर हुए ग्रेनेड हमले की खबर बेहद चिंताजनक है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को इन हमलों की श्रृंखला को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपने जीवन को सामान्य रूप से जी सकें। कांग्रेस के जम्मू–कश्मीर यूनिट के प्रमुख तैरक हमीद कर्रा ने भी ग्रेनेड हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की इस दुर्भाग्यपूर्ण और भयानक घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर पुलिस से अनुरोध किया कि ऐसे क्रूर और अमानवीय हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि जनता बिना किसी भय के स्वतंत्रता से चल सके। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी प्रार्थना की।

अविश्वसनीय : रूस ने ...

निरंतर गूगल पर दबाव बना रहे हैं, और गूगल की रूसी सहायक कंपनी ने दिवालियापन के लिए आवेदन तक किया है। क्रेमलिन ने गूगल पर लगाए गए इस भारी भरकम जुर्माने को एक प्रतीकात्मक कदम बताया है, जिसका उद्देश्य गूगल को रूसी मीडिया पर अपने रुख को दोबारा विचार करने के लिए मजबूर करना है। रूस के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह आंकड़ा उस गंभीरता को दर्शाता है, जिसके साथ रूस, यूट्यूब द्वारा लागू किए गए इन प्रतिबंधों को देखता है। हालांकि, यूट्यूब रूस में अभी भी चालू है, परंतु यदि उन्होंने रूसी चैनलों पर अपने प्रतिबंध जारी रखा, तो रूस ने प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से ब्लॉक करने की धमकी दी है। इस मामले में गूगल को अदालत द्वारा फटकार भी लगाई गई है कि उन्होंने रूसी मीडिया को अपनी खबरें प्रसारित करने का अवसर नहीं दिया।

धोलाई में भाजपा के...

ने आगे आरोप लगाया कि अमिय कांति दास ने सार्वजनिक मंच से भाजपा उम्मीदवार के बारे में ये टिप्पणी की। बोरा ने सवाल किया कि असम के सीएम को अब असम के लोगों को बताना चाहिए कि भाजपा ने बांग्लादेशी मूल के उम्मीदवार को क्यों नामित किया। उन्हें पूरे राज्य को यह बताना होगा कि निहार रंजन दास को टिकट देने के भाजपा के फैसले के पीछे क्या कारण है। असम के 11–धोलाई (एससी) विधानसभा उपचुनाव से पहले कछार जिले से नौ उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किए। नामांकन प्रक्रिया में अनुभवी पार्टी समर्थित उम्मीदवारों और महत्वाकांक्षी स्वतंत्र उम्मीदवारों का विविध मिश्रण सामने आया है, जो विधायी सीट के लिए चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। नामांकन की पुष्टि करते हुए निर्वाचन अधिकारी डॉ. ध्रुब ज्योति हजारिका ने बताया कि प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ–साथ स्वतंत्र उम्मीदवारों ने भी अपने–अपने नामांकन दाखिल किए हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) की ओर से उम्मीदवारों की सूची में सबसे आगे ध्रुवज्योति पुरकायस्थ हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निहार रंजन दास को मैदान में उतारा है। अपने–अपने राष्ट्रीय दलों के प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में, ये दोनों उम्मीदवार निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख राजनीतिक शक्तियों के प्रभाव को रेखांकित करते हैं।

हावड़ा मेल में धमाका...

आग की चपेट में आने से झुलस गए। जिनमें तीन व्यक्ति और एक महिला शामिल है। जिनमें वार्ड नंबर 2 पीरों भोजपुर पीरू बिहार के निवासी अजय कुमार तथा उसकी पत्नी संगीता कुमारी, अकबरपुर बुजुर्ग, बहराइच, बमियारी उत्तर प्रदेश के निवासी आशुतोष पाल तथा पोस्ट विष्णुपुर, ग्राम गोविंदपुर नवादा, बांका, नवादा बाजार बिहार निवासी सोनू कुमार झुलस गए। घायलों को 108 एबुंलेंस और एक निजी वाहन से सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब लाया गया। सूचना मिलने के बाद जीआरपी आरपीएफ तथा रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे में घायल हुए आशुतोष पाल का भाई राकेश पाल हादसे का प्रत्यक्षदर्शी है।

अब देश के हर ...

के रूप में विकसित हो। पंचायतीराज मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह लक्ष्य सौंप दिया है और अब उन्हें इस दिशा में किस तरह काम करना है, इसके लिए 4 से 6 नवंबर तक पुणे में एक राष्ट्रीय कार्यशाला होने जा रही है, जिसमें देशभर से पंचायतों के अधिकारी–प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार महिला–नेतृत्व विकास पर जोर देते हैं। वह चाहते हैं कि विकास योजनाओं और कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी हो, लेकिन ग्रामीण स्तर पर अभी भी यह समस्या महसूस की जा रही है कि महिलाओं को वहां सक्रिय भागीदारी का माहौल पूरी तरह नहीं मिल पा रहा है। महिलाओं के भीतर बैठे इसी संकोच के कारण प्रधान पति या सरपंच पति जैसी कुव्यवस्था अभी तक चल रही है, जिसे समाप्त करने के लिए चिंतन चल रहा है।

श्रीनगर के व्यस्त ...

जिसमें 12 लोग घायल हुए हैं।उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर सुरक्षाबल भेज दिए गए हैं और इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इस ग्रेनेड हमले में घायलों की पहचान मिस्बा 17 वर्ष, बेटी मोहम्मद अमीन तांत्री निवासी नौगाम, अजान कालू वर्ष पुत्र जावेद अहमद कालू निवासी नूरबागय हबीबुल्लाह, राथर वर्ष पुत्र अब्दुल जब्बार निवासी बांदीपोरा, अल्ताफ अहमद सीर वर्ष पुत्र अब्दुल रशीद निवासी अमशीपोरा शोपियांय, फैजल अहमद वर्ष पुत्र फैयाज अहमद बेग निवासी खनियारय, उमर फारूक पुत्र फारूक अहमद भट निवासी पट्टन, फैजान मुश्ताक वर्ष पुत्र मुश्ताक अहमद सोफी निवासी पंपोर, जाहिद वर्ष पुत्र गुलजार अहमद वानी निवासी चेकपोरा कलां नौगामय, गुलाम मुहम्मद सोड़ी वर्ष पुत्र गुलाम अहमद निवासी छत्ताबलय और सुमैया जान वर्ष पत्नी जुबैर अहमद लोन निवासी नायदकादल सुंबल के रूप में हुई है। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हमले की घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि श्रीनगर के संडे मार्केट में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द लगातार हो रहे हमलों को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें।

प्रदेश भर में रास महोत्सव की व्यापक तैयारी

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भर में इस समय उत्सव का माहौल है। दुर्गा पूजा, लखी पूजा, दीपावली और काली पूजा का त्योहार संपन्न होने के बाद अब प्रदेश के लोगों को रास महोत्सव का बेसब्री से इंतजार है। भक्त भगवान कृष्ण के रास महोत्सव को लेकर उत्साहित हैं, जो राज्य में पूर्णिमा के दिन शुरू होगा। ऊपरी असम में सत्र (मठ) नगरी माजुली में वैष्णव भक्त रास की तैयारियों में व्यस्त हैं। रास पूर्णिमा के दिन से शुरू होने वाला रास महोत्सव माजुली सहित विभिन्न सत्रों में भाउना (अभिनय) के माध्यम से रासलीला की जाती है। रास अलग-अलग सत्रों में एक दिन और कुछ सत्रों में तीन दिनों के लिए आयोजित किया जाता है। जिस सत्र में एक दिन रास का आयोजन होता है, उस दिन रास के अवसर पर हियानाम, दिहानाम, गायन-बयान, नटुवा साली, ओजापाली आदि अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। दक्षिणपाट सत्र में रास उत्सव तीन दिनों तक मनाया जाता है। रासोत्सव के तीन दिनों को एक विशेष नाम से जाना जाता है। पहला दिन आदिवास, दूसरा दिन रास और तीसरा दिन इंद्राभिषेक होता है। रास पूर्णिमा के दिन सुबह से ही रास

पूजा शुरू हो जाती है। दिनभर नाम-कीर्तन के अलावा गायन-बयान, नाम-कीर्तन, नटुआ नृत्य आदि चलता रहता है। रात्रि में रासलीला का प्रदर्शन किया जाता है। भगवान कृष्ण का रास महोत्सव अनादिकाल से असम के विभिन्न जिलों में मनाया जाता रहा है। निचले असम के नलबाड़ी, शुवालकुची, रामदिया, हाउली, टिहू, पलाशबाड़ी आदि में भी रास महोत्सव मनाया जाता है। इस रास को देखने के लिए देश-विदेश से भी काफी लोगों की भीड़ उमड़ती देखी गई है। निचले असम के रास में भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं को आकर्षक मूर्तियों के माध्यम से खूबसूरती से सजाया जाता है। आकर्षक मूर्तियों के माध्यम से कालिया दमन, पुतना वध, दधिमथन, कंसवध, वृंदावन की रासलीला आदि प्रस्तुत की जाती है। जगह-जगह रास महोत्सव के मद्देनजर ढोल वादन, ओजापाली, नाम प्रसंग के साथ ही मोबाइल थियेटर आदि के साथ नाटकों का मंचन होता है। नलबाड़ी सहित विभिन्न स्थानों पर कई थिएटर समूह रास में अपने-अपने नाटकों का प्रदर्शन करते हैं और हजारों लोग रास के लिए इन क्षेत्रों में आते हैं। गौरतलब है कि नलबाड़ी प्रसिद्ध श्रीश्री हरिमंदिर परिसर में इस बार 91वां श्री कृष्ण रास महोत्सव 15 से 27 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। रास के उद्घाटन समारोह में रामानंद सागर के प्रसिद्ध *रामायण* धारावाहिक के चरित्र राम और सीता यानी प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल और दीपिका चिखलाया हिस्सा लेंगी। नलबाड़ी के रास महोत्सव में इस बार तीन रसों का संयोजन भी होगा। नलबाड़ी के रास में मूर्ति रास, जीवंत रास और पुतला रास का संयोजन होगा।

मोरीगांव जेल से फरार हुआ एक कैदी आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जेल से फरार हुए एक कैदी जियारुल इस्लाम को आंध्र प्रदेश के तिरूपति जिले से गिरफ्तार किया गया। आज उसे असम लाया जा रहा है। वह जेल से फरार होने के बाद से आंध्रप्रदेश में छिपा हुआ था। मोरीगांव जेल में पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद पांचों कैदी जिला जेल में बंद थे। जहां से पांचों कैदी जेल की ऊंची दीवार को पार करने के लिए बेडसीट एवं कंबल को एक साथ जोड़कर रस्सी की तरह उपयोग करते हुए फरार हो गए थे। गौरतलब है कि पिछले दिनों मोरीगांव जिला जेल से पांच कैदी फरार हो गए। दो कैदियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक की मौत हो गई। जबकि, अभी भी दो कैदी फरार हैं।

मणिपुर : केसीपी (पीडब्लूजी) के पांच कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने केसीपी (पीडब्लूजी) के पांच कैडरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। ये गिरफ्तारी थौबाल जिले के चरंगपत मयाई लीकै में हुई है। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान थोकचोम बिक्रम सिंह (29), सिनम बिजेन सिंह (37), थांगजम दीपक सिंह (30), लंबामयुम नाओबी सिंह (26), और हुइनिंगसुंबम टॉन सिंह (21) के रूप में हुई है। इन पर अपहरण और वसूली जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इनके पास से हैंड ग्रेनेड, दो डिमांड लेटर बरामद हुए हैं। इनके मोबाइल फोन, सिम कार्ड और गाड़ी भी जब्त की गई है। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के कुंबी इलाके में प्रीपाक-प्रो के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 32 वर्षीय नोंगमैतेम गुणमणि के रूप में हुई है, जिसपर वसूली की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

सूर्य षष्ठी छठ पूजा समिति पांडु पोर्ट के सदस्यों ने ब्रह्मपुत्र घाट पर चलाया सफाई अभियान

गुवाहाटी। सूर्य षष्ठी छठ पूजा समिति पांडु पोर्ट के सदस्यों ने ब्रह्मपुत्र घाट तथा उसके आस पास सफाई अभियान चलाया। ज्ञात है कि आगामी 7 नवंबर को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। इसी को देखते हुए समिति के तीस से अधिक सदस्यों ने आज छठ घाट तथा उसके आस पास सभी रास्तों की सफाई की सफाई अभियान का नेतृत्व कमल सिंह ने किया उनके साथ अन्य सदस्यों में अशोक सिंह, धनंजय प्रताप सिंह, गणेश राम, मुन्ना प्रसाद, लक्ष्मी शर्मा, अरविन्द गुप्ता, अमरदीप चौधरी, अभिषेक गुप्ता, कर्मेंद्र शाह, उज्जवल सिंह, अनिल गुप्ता, पवन सिंह, अमितेश राम, अभिषेक सिंह, गौतम दास, राजेश जायसवाल, संजय सिंह, डी एन साह, बृजेंद्र प्रताप सिंह, मनोज सिंह, अरुण सिंह, संतोष महतो, अमित शर्मा, विवेक मांझी, पंकज ठाकुर के साथ ही अन्य सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

री-भोई (हिंस)। मेघालय के री-भोई जिले के शांगबंगला इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 06 पर एक ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक-युवती की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार की सुबह गुवाहाटी से शिलांग की ओर रॉयल इनफील्ड हिमालयन बाइक (एएस-01एफएफ- 3367) से जाते समय ट्रक (एएस-01अरसी-0412) की चपेट मे आने से बाइक चालक नीलुत्पल दुवरी (23) और गार्गी सुतिया (21) की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार ने शांगबंगला पहुंचने के बाद एक ही दिशा में जा रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की। ट्रक हेलमी सुतिंग (34) द्वारा चलाया जा रहा था। ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक सवार का नियंत्रण खो गया। मोड़ पर बाइक का पिछला चकका ट्रक से टकरा गया और दोनों ट्रक के नीचे सड़क पर गिर गए। ट्रक उनके शरीर के ऊपर से गुजर गया और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में दोनों के शवों को पुलिस अपने कब्जे में लेकर नोंगपोह सिविल अस्पताल ले गई।

भारतीय सेना का ऑपरेशन सद्भावना के तहत छात्रों का दल भ्रमण पर रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय सेना के गजराज कोर ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत एक प्रेरणादायक राष्ट्रीय एकीकरण यात्रा शुरू की है। इसके तहत अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित महाबोधि स्कूल के 15 छात्रों और एक शिक्षक को दिल्ली, आगरा और भरतपुर के 10-दिवसीय भ्रमण पर भेजा गया है। इससे अरुणाचल प्रदेश के युवाओं को विकसित भारत की भावना का अनुभव करने का एक रोमांचक मौका मिलेगा। सेना के अधिकारियों ने छात्रों के इस दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। भारतीय

सेना के गुवाहाटी स्थित पीआरओ ने रविवार को बताया है कि छात्र भारत के कुछ प्रतिष्ठित स्थलों का दौरा करेंगे, जिनमें ताजमहल, कुतुब मीनार, वृंदावन और नेहरू तारामंडल शामिल हैं। इस दौरान छात्रों को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलने और उनसे बातचीत करने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय एकता यात्रा छात्रों की राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करेगी। इस ऑपरेशन सद्भावना के माध्यम से सेना समुदायों को जोड़ने में मदद कर रही है।

किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश को लेकर तनाव, आरोपी गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के नाहरजान चाय बागान में एक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म की कोशिश को लेकर भारी तनाव देखा गया। घटना के अनुसार शनिवार की शाम एक चाय बागान में 55 वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा किशोरी के साथ दुष्कर्म की कोशिश किए जाने को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि चाय बागान के मनोज नाइक (55) द्वारा किशोरी के साथ दुष्कर्म की कोशिश की गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों ने इसको लेकर भारी नाराजगी व्यक्त की। बताया गया है कि मनोज नाइक ने किशोरी का बहला-फुसलाकर चाय बागान के बीच ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की, इस बीच स्थानीय कुछ युवकों ने मनोज को रंगे हाथों पकड़ लिया। बाद में उसकी जमकर पिटाई की। बेहोशी की हालत में मनोज नाइक को चाय बागान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच चाय बागान के लोग अस्पताल में इकत्र होकर फिर से हंगामा शुरू किया। सूचना मिलते ही बोकाखात पुलिस और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाया। इस बीच, मनोज नाइक को बोकाखात पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दिया है।

भाषा गौरव सप्ताह में हिस्सा लेने का कृषि मंत्री अतुल बोरा ने किया आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने 3 से 9 नवंबर तक भाषा गौरव सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है। इस आयोजन का उद्देश्य असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता मिलने के ऐतिहासिक क्षण को सम्मानित करना है। इस अवसर पर आज कामरूप (मेट्रो) जिले के पांजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षागृह में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेते हुए असम सरकार के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि असमिया जाति की पहचान असमिया भाषा से ही है। उन्होंने बताया कि सदियों के अध्ययन और योगदान के कारण ही असमिया भाषा को यह विशेष मान्यता मिली है, जिसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने 3 अक्तूबर को असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया। मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि भाषा का सम्मान बनाए रखने के लिए हर असमिया को अपनी मातृभाषा के प्रति सजग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषा के संरक्षण में सभी को मिलकर कार्य करना होगा, विशेषकर छात्रों के बीच असमिया संस्कृति के प्रचार-प्रसार और मातृभाषा के प्रति समर्पण का भाव विकसित करने की आवश्यकता है। शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने भी इस अवसर पर कहा कि असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने मात्र से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी को अपनी भाषा का महत्व समझते हुए इसे आगे बढ़ाना चाहिए। असम सरकार की ओर से इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकारों और भाषाविदों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. सत्येंद्र नारायण गोस्वामी, डॉ. लीलावती सैकिया बोरा, डॉ. मंगल सिंह हाजवारी, तरेण चंद्र बोरो, डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, डॉ. शैलेन भराली और प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक अपूर्व शर्मा प्रमुख हैं। इस अवसर पर असम प्रकाशन परिषद द्वारा प्रकाशित पुस्तक *ध्रुपद असमिया* का वितरण भी किया गया।

असम राइफल्स, लोकरा ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ 02 नवंबर 2024 को, असम राइफल्स ने राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) मनाया। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता और एकता पर जोर देने वाले कार्यक्रमों के साथ लोकरा। उत्सव की शुरुआत यूनिटी रन के साथ हुई, जिसमें स्थानीय लोगों और असम

राइफल्स कर्मियों दोनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी शामिल थी। दौड़ ने सामूहिक शक्ति और सद्भाव के प्रतीक के रूप में कार्य किया, एकता और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। दौड़ के बाद, एकता शपथ दिलाई गई, जहां सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र में एकता और अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता जताई। इस गंभीर प्रतिज्ञा में देश की एकता की रक्षा के लिए चुनौतियों का सामना करने में एक साथ खड़े होने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें लोकरा के 159 स्थानीय लोग और 60 असम राइफल्स के जवान, कुल 219 प्रतिभागी शामिल थे। राष्ट्रीय एकता दिवस के सफल आयोजन ने असम राइफल्स और स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत बंधन को प्रदर्शित किया, जिससे एकता और राष्ट्रीय गौरव के साझा मूल्यों को मजबूती मिली।

नगांव : चार ड्रग्स तस्कर दोबेचे गए

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रूपहीहाट पुलिस ने चार ड्रग्स तस्करों को ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान जिले के विभिन्न इलाकों में ड्रग्स के कारोबार में शामिल चार ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान हसन अली, माफीदुल इस्लामए नेकबर अली और असादुल हक के रूप में की गई है। इन सभी को सोते समय पुलिस ने साईदरिया से गिरफ्तार किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी ड्रग्स तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

नगांव राजस्थानी युवक संघ का दीपमालिका मिलन समारोह संपन्न

नगांव (निसं)। राजस्थानी युवक संघ का दीपमालिका मिलन समारोह शुक्रवार रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर भवन में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। मंच संचालन संघ के पूर्व सचिव अजीत कोठारी ने किया। उक्त मिलन समारोह का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों द्वारा आपसी भाईचारे का प्रतीक दीपक जलाकर किया गया। सर्वप्रथम संघ के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार ने अपने संबोधन में संघ द्वारा किए जा रहे समाज मूलक कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और उन्होंने अपनी तरफ से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संघ के शांतिपुर स्थित मुख्य कार्यालय में कुछ एक निर्माण कार्य पूरा किया गया है। जिस पर उन्होंने अपने सम्बोधन मे बताया। इसके बाद समाज की बच्चियों नाम क्रमशः युविका झंवर, जीविका अग्रवाल, कुसविका अग्रवाल, तृषा सुराणा और अन्य कलाकारों द्वारा दी गई रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लग गए। पायल दुग्गड़ और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में भारत के लोक संस्कृति और त्योहारों को दर्शाते हुए शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसे सभी ने बखूबी सराहा। इससे पहले स्वागत गीत की प्रस्तुति मंजू चौरड़िया, ललिता कोठारी, संगीता चौरड़िया, सरोज कुहाड़ और सुमन बोथरा द्वारा दी गई। आयोजन में उपस्थित संघ के पूर्व अध्यक्षों द्वारा अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के मध्य मंच संचालन करते हुए सारंग खाटूवाला ने प्रश्नोत्तरी के जरिए अपने सवालो का सिलसिला जारी रखा जिसमें सही उत्तर देने वाले को संघ द्वारा पुरस्कृत किया गया। संघ के दीप मालिका मिलन समारोह के मंच पर आयोजन में उपस्थित पत्रकारों विकास शर्मा, रविंद्र शाह और डिंपल शर्मा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम स्थल को दुल्हन की तरह से सजाया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ आयोजन को विराम दिया गया। लोगों ने इस दौरान एक दूसरों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

बड़ागांव में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा संस्थान में आज 46वां स्थापना दिवस मना

गुवाहाटी। गुवाहाटी महानगर के बड़ागांव स्थित भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा संस्थान में आज 46वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आशीष कुमार मुखर्जी के साथ ही, वैज्ञानिक डीएसटी, डॉ. शुभज्योति मंडल, गुवाहाटी स्थित श्री शंकरदेव नेत्रालय के अध्यक्ष डॉ. हर्ष भट्टाचार्य तथा बोटेनिकल सर्व ऑफ इंडिया के निदेशक डॉ. एए माओ के साथ ही संस्थान के विभिन्न विभागों के प्रोफेसर व छात्रा उपस्थित थे। सर्व प्रथम उपस्थित विशिष्ठ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत उपस्थित विद्वान अतिथियों द्वारा अपने अपने विचारों द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया गया। अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आशीष कुमार मुखर्जी ने आई ए एस एस टी के गौरवपूर्ण इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस संस्थान ने देश को कई बड़े बड़े वैज्ञानिक दिए जो आज भारत कई महत्वपूर्ण विभागों में अपनी सेवा दे रहे हैं। उन्होंने इस वर्ष संस्थान से पीएचडी का प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामना देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की, कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

ट्रक की ठोकर से साइकिल चालक की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर के बुकलुंग इलाके में हुई सड़क हादसे में साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि आद तेज रफ्तार ट्रक (एएस-01एए-1288) ट्रक द्वारा ठोकर मारे जाने से साइकिल चालक हयबुर इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नगांव सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चालक मौके से फरार होने में सफल रहा।

माणिक चंद ज्वैलर्स ने सफल संचालन की पहली वर्षगांठ का जश्न मनाया

गुवाहाटी। प्रमुख प्रीमियम ज्वेलरी ब्रांड माणिक चंद ज्वैलर्स ने रविवार 3 नवंबर को महानगर के जु-रोड स्थित अपने आउटलेट के सफल संचालन की पहली वर्षगांठ का जश्न मनाया। इस अवसर पर लोकप्रिय असम की अभिनेत्री निशिता गोस्वामी ने माणिकचंद ज्वैलर्स के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार सोनी तथा उनके परिवार के लोगों की उपस्थिति में केक काट कर प्रथम वर्ष पूर्ति का उत्सव मनाया। ज्ञात है कि लगभग 60 वर्षों से स्वर्ण आभूषणों के व्यापार से जुड़े हुए माणिकचंद ज्वैलर्स का गुवाहाटी में 4 शोरूम है इसके साथ ही असम के अन्य जिलों में भी 2 शोरूम है। अपने संबोधन में श्री केके सोनी ने बताया कि ग्राहकों के समर्थन तथा मांग को देखते हुए निकट भविष्य में पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी शोरूम खोलने की योजना बना रहे हैं उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि आने वाले दिनों में जिस प्रकार से सोने की कीमतों में उतार चढ़ाव दिखाई दे रहा है उसको देख कर दीर्घ कालिक समय के लिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

संपादकीय

रक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

भारत रक्षा के क्षेत्र में निरंतर नये प्रतिमान गढ़ रहा है। वड़ोदरा में टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करके इसी दिशा में भारत सरकार ने बड़ा कदम बढ़ाया है। भारत की यह ऊंची उड़ान उसके सामर्थ्य को बढ़ाएगी। यह एयरबस और टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड की संयुक्त परियोजना है। बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने जिस टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया है, वहां भारतीय सेना के लिए सी-295 विमानों का निर्माण होगा। स्पेन और भारत के बीच ऐसे 56 विमानों के निर्माण का समझौता हुआ है, जिनमें से 40 विमान भारत में बनाए जाएंगे और शेष स्पेन से आएंगे। स्पेन के प्रधानमंत्री सांचेज की यह पहली भारत यात्रा है। भारत और स्पेन के आपसी संबंधों को नयी दिशा देने के प्रयास भी प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर भारत के प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा का स्मरण किया, जिनका अभी हाल में निधन हुआ है। उन्होंने कहा कि "हाल ही में हमने देश के महान सपूत रतन टाटा जी को खो दिया। अगर आज वे हमारे बीच होते तो उन्हें खुशी होती। उनकी आत्मा जहां भी होगी, खुश होगी। ये सी-295 विमान फैक्ट्री नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाती है"। यह सही बात है कि विमान फैक्ट्री 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। पहली बार एक निजी कंपनी देश में स्थापित संयंत्र में सेना के लिए विमान निर्माण करेगी। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर एवं पहल है। उल्लेखनीय है कि सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, रक्षा उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, मेडिकल उपकरण, मोबाइल फोन आदि उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं तथा देश-विदेश के निजी क्षेत्र को मौके और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हमारी सशस्त्र सेनाओं को लड़ाकू विमानों और युद्धक हेलीकॉप्टरों के अलावा सैनिक साजो-सामान और हथियारों की ढुलाई के लिए भी विमानों की आवश्यकता होती है। सी-295 विमानों का उपयोग इन्हीं कामों के लिए किया जाएगा। कह सकते हैं कि वड़ोदरा परियोजना कई अर्थों में मिल का पत्थर है। यह भी महत्वपूर्ण है कि कुछ समय पहले ही भारत की विभिन्न एयरलाइनों ने नागरिक उड्डयन के लिए सौ जहाजों की खरीद का प्रस्ताव किया है, जिससे अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस के उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। एयरबस और टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड की संयुक्त परियोजना से भारत के साथ-साथ स्पेन की अर्थव्यवस्था भी लाभान्वित होगी। यहां जो जहाज तैयार होंगे, वे सेना द्वारा इस्तेमाल किये जा रहे पुराने रूसी जहाजों और देश में बने विमानों की जगह लेंगे। इससे हमारी बढ़ती सैन्य क्षमता को भी बड़ा आधार मिलेगा। अभी तक पांच सी-295 विमान सेना को मिल चुके हैं। ऐसी आशा है कि इस परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से तीन हजार से अधिक तथा तथा परोक्ष तौर पर 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर बनेंगे। सहायक उद्यमों को भी बढ़ावा मिलेगा। वड़ोदरा समेत अनेक स्थानों की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। यह परियोजना निवेशकों को आकर्षित करने में भी सहायक साबित होगी। स्मरण रखें कि रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में प्रगति हमारी बाहरी निर्भरता को कम करेगी तथा इस क्षेत्र में निर्यात की संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे। आज भारत कई देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है।

> भारत की यह ऊंची उड़ान उसके सामर्थ्य को बढ़ाएगी। यह एयरबस और टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड की संयुक्त परियोजना है। बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने जिस टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया है, वहां भारतीय सेना के लिए सी-295 विमानों का निर्माण होगा। स्पेन और भारत के बीच ऐसे 56 विमानों के निर्माण का समझौता हुआ है, जिनमें से 40 विमान भारत में बनाए जाएंगे और शेष स्पेन से आएंगे। स्पेन के प्रधानमंत्री सांचेज की यह पहली भारत यात्रा है। भारत और स्पेन के आपसी संबंधों को नयी दिशा देने के प्रयास भी प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर भारत के प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा का स्मरण किया, जिनका अभी हाल में निधन हुआ है। उन्होंने कहा कि "हाल ही में हमने देश के महान सपूत रतन टाटा जी को खो दिया। अगर आज वे हमारे बीच होते तो उन्हें खुशी होती।

पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अतः संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस.

> असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया।

राधाकृष्णन ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है। आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए। आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अतः राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।' इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए।

दृष्टि कोण

काश! हम पराली को लाभकारी बना पाते

उत्तर भारत के कई इलाकों में ठंड की दस्तक, धान की कटाई और दिवाली के दौरान होने वाले प्रदूषण के लिए अकेला भारत जिम्मेदार नहीं है। पाकिस्तान में जलती पराली से आने वाला धुआं भी कई राज्यों की फिजा को ज़हरीली बनाने में कम कसूरवार नहीं है। नासा वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरों, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के एक शोध से यह साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलाई जाती है। वहीं, कुछ आंकड़े भी इस बात को पुख्ता करते हैं कि हरियाणा में 24 प्रतिशत और पंजाब में 40 प्रतिशत कम पराली इस 1 सितंबर से अक्तूबर के तीसरे हफ्ते तक जली। यह भी सही है कि धान कटाई का यह पीक सीजन नहीं था। दिवाली के थोड़े पहले और अब दिवाली बाद अलग नजारा दिखने लगा है। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में एक बार फिर, दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर केंद्र सरकार को ढिलाई पर कड़ी फटकार लगाई और पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। इस बाबत सख्त कानून न लागू करने पर चिंता भी जताई। सफाई, बचाव, तर्क-कुतर्क पर अभी और पहले भी सुप्रीम कोर्ट कई बार जमकर नाराजगी दिखा चुका है। नियंत्रण खातिर जिम्मेदार संस्थाएं कब कटघरे में नहीं थीं? सुप्रीम कोर्ट की पीड़ा इसी से समझ आती है कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम को दंतहीन तक कह दिया। कोर्ट में प्रस्तुत जवाब पर सवाल खड़े होने पर गंभीरता जताते हुए बात अवमानना की चेतावनी तक पहुंचना कम नहीं है। सच है कि पराली का जलना, प्रदूषण का बढ़ना आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक विषय बन चुका है। तमाम बयानबाजियां यही दिखाती हैं। कैसी कोशिशें हैं कि हर साल न धुआं थमता है और न ही पराली का जलना। सरहद पार के धुएं की बात छोड़ दें और देश में जल रही पराली ही देखें तो समझ आता है कि कोशिशों के दौड़ते कागजों के अलावा धरातल पर कुछ नहीं दिखता। केवल किसानों को ही दोष देना नाकाफी है। उनकी पीड़ा भी समझनी होगी। केंद्र या राज्य सरकारें दावा कुछ भी करें, लेकिन किसानों की भी व्यावहारिक समस्याएं हैं। संसाधनों की कमी का सामना छोटे किसान ही करते हैं, जो छोटे-छोटे भू-भाग के बावजूद विशाल रकबे में फैले हैं। न तो उनके पास इतनी जमीन है कि ऋण लेकर मशीनें खरीदें और न ही सामर्थ्य। ऐसे में पराली निदान के लिए महंगी मशीनों में निवेश या कर्ज लेकर चुकाने की हैसियत भी आड़े आती है। खेती मौसम पर निर्भर है। महज एक-दो दिन बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते भी किसान तुरंत पराली जलाने को मजबूरी बताते हैं। छोटे-बड़े सभी किसानों को अगली फसल की बुवाई की ताबड़तोड़ तैयारी और मौसम का डर सताता है। किसान मानते हैं कि दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त मिलता है। ऐसे में छोटे किसानों के सामने सरकारी मदद की खानापूर्ति और तमाम बाधा, असमंजस के चलते भी नुकसान जानकर भी पराली जलाने का अपराध करना मजबूरी बन जाता है। अब रोजाना दिल्ली और सटे राज्यों में हवा की फिजा बदलेगी। खुलकर सांस लेना और मुश्किल होगा। हवा की बिगड़ती गुणवत्ता इस साल के नए रिकॉर्ड छुएगी। प्रदूषण अभी इतनी बदतर स्थिति में जा पहुंचा है कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने मॉर्निंग वॉक पर जाना बंद कर दिया। ऐसे में आमजन की सुध पर सरकारी तंत्र की कोशिशों पर ही सबका ध्यान जाएगा। अदालत भी मानती है कि केंद्र और राज्यों को याद दिलाने का यही वक्त है कि भारतीय संविधान के भाग-3 में मौजूद अनुच्छेद 21 के तहत लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का मौलिक अधिकार है। दिल्ली का वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। वर्ष 1985 में ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी, जब कीर्ति नगर जैसे घने रिहायशी इलाके में एक फर्टिलाइजर प्लांट की ज़हरीली हवा लोगों को बीमार करने लगी। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

कुछ अलग

ऑनलाइन फरेब

ऑनलाइन फरेब की दुनिया में हाल ही में नया शब्द जुड़ा है डिजिटल गिरफ्तारी। पहली नजर में विज्ञान कथा जैसा लगने वाला शब्द फिलहाल वास्तविक जीवन के लिये खतरा बनता जा रहा है। वे सरकारी आंकड़े डराने वाले हैं कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों से इस धोखाधड़ी के जरिये एक अरब बीस करोड़ की ऑनलाइन लूट हुई। बीते रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा इस संकट का जिक्र करने के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श में आ गया। उन्होंने देशवासियों से इस भय से मुक्त होने का आह्वान किया और कहा कि उन्हें इससे बचने के लिये सजगता का मंत्र अपनाना है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे घबराएं नहीं। साथ ही कहा कि सरकारी एजेंसियां कभी व्हाट्स ऐप या स्काइप आदि माध्यमों के जरिये नागरिकों से संवाद नहीं करती हैं। ये एजेंसिया कभी भी पैसे की मांग नहीं करती हैं। तेजी से पनप रहे इस संकट से बचने के लिये उन्होंने मंत्र दिया कि रुको, सोचो और एक्शन लो। दरअसल, भयादोहन करके लोगों को लूटने वाले व्हाट्स ऐप आदि से कॉल करके डराते हैं कि वे पुलिस, सीबीआई, आरबीआई या नारकोटिक्स विभाग से बोल रहे हैं। कभी कहा जाता है कि पकड़ी गई नशे की खेप में उनकी भूमिका है। कहा जाता है कि ड्रग्स वाले पार्सल जब्त होने के बाद यह सूचना दी जा रही है। उनसे कहा जाता है कि या तो वे मोटी रकम जमा करें या फिर परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहें। दरअसल, ये शातिर अपराधी यह दावा करते हैं कि ठगे जाने वाले व्यक्ति के बारे में वे बहुत कुछ जानते हैं। भय व अज्ञान के कारण बहुत सारे भोले-भाले लोग उनके बिछाए जाल में फंसकर मोटी रकम चुका देते हैं। यह विडंबना ही है कि नागरिकों को डिजिटली सशक्त करने के लिए भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने सफलता तो पाई लेकिन लोगों को साइबर अपराधों के प्रति संवेदनशील भी बना दिया। कुछ महीने पहले एक बेहद चौंकाने वाला डिजिटल अरेस्ट का घटनाक्रम सामने आया। खुद को सीबीआई अधिकारी बताने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह ने पद्मभूषण से सम्मानित और वर्धमान समूह के चेयरमैन एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये की ठगी की थी। उन्हें दो दिनों तक डिजिटल भयचक्र में रखा गया। उन्हें किसी को फोन करने या संदेश भेजने से रोका गया। इतना ही नहीं जालसाजों ने वीडियो कॉल के जरिये सुप्रीम कोर्ट की फर्जी सुनवाई आयोजित की। कल्पना कीजिए इतने प्रभावशाली व्यक्ति को जब साइबर अपराधियों ने असहाय बना दिया, तो आम आदमी की क्या गति होगी? निस्संदेह, इससे बचने के लिये लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर उन बुजुर्गों को जो ऑनलाइन व्यवहार के प्रति ज्यादा जागरूक नहीं हैं। हालांकि, साइबर अपराधी नित नये धोखाधड़ी के हथकंडे अपना रहे हैं,लेकिन फिर भी जागरूकता बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता, सजगता व तत्परता से ऐसे अपराधियों पर शिकंजा कसना होगा। नागरिक अनजान लोगों के फोन कॉल,ई-मेल या संदेश के प्रति सचेत रहें। उन्हें धैर्य के साथ सोचना होगा कि जिस कथित काल्पनिक अपराध के लिये उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है क्या उससे वास्तव में उनका कोई लेना -देना है? यूं तो भय-आशंका का काल्पनिक चित्रण करके साइबर अपराधी लोगों की सोचने-समझने की क्षमता पर प्रहार करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि कोई कोर्ट या सरकारी एजेंसी तत्काल ऑनलाइन कार्रवाई नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है।

देश दुनीया से

डमी स्कूलों से शिक्षा की गुणवत्ता का क्षय

मेरे पड़ोसी ने एक बार मुझसे बताया 'मेरा बच्चा स्कूल जाने में अपना वक्त और ऊर्जा बर्बाद नहीं करता। इसके बजाय, मैं उसे एक कोचिंग सेंटर में भेजता हूं, जो उसे वह तैयारी करवाते हैं जिसका महत्व है- मेरा मतलब है जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं पास करने का 'कौशल' हासिल करना। और इस वास्ते उसके स्कूल के साथ एक व्यवस्था कर रखी है। भले ही वह पूरे साल अनुपस्थित रहे, फिर भी वह बोर्ड परीक्षाओं में बैठ सकता है। स्कूल इसका इंतजाम करता है।' उनके साथ मेरे संवाद के दौरान, मुझे उनके तर्क की तीव्रता का अहसास हुआ- उनका मानना है कि जीवन में केवल 'सफलता' ही मायने रखती है, और शिक्षा का कोई उच्च या महान लक्ष्य नहीं है। वह अकेले नहीं हैं, असल में, मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए मानकीकृत बना दिए गए इम्तिहान उत्तीर्ण करने के तर्क को हमारी चेतना पर हावी होने और 'व्यावहारिक' शिक्षा को हमारी धारणा को आकार देने में व्यापक इजाजत मिली हुई है। इसलिए जिसको हम सामान्य समझने लगे हैं- 'डमी स्कूलों' का अस्तित्व और लगभग हर इलाके में कोचिंग सेंटरों का एक साथ महिमामंडन – उसका जन्म होता चला गया। केवल इतना ही नहीं। ऐसा करके हम अपने बच्चों को शुरू से ही भ्रष्टाचार को आत्मसात करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भी पता है कि अगर स्कूलों और कोचिंग सेंटरों के बीच उचित 'सेटिंग' या किसी तरह का 'घालमेल' है, तो वे एक भी कक्षा में उपस्थित हुए बगैर भी बोर्ड परीक्षा में बैठ सकते हैं। बेशक, सीबीएसई और राज्य बोर्ड भी इस कुप्रथा से अवगत हैं, और कभी-कभार, इन डमी स्कूलों के खिलाफ नाममात्र के कुछ छापे या दंडात्मक उपायों के बारे में सुनते हैं। लेकिन फिर, इस भ्रष्टाचार का मुकाबला तब तक नहीं किया जा सकता जब तक कि हम निम्नलिखित के बारे में कुछ गहन और ठोस कदम न उठाएं : सबसे पहले, हमारे लिए –यानी वयस्क और माता-पिता- खुद को शिक्षित करना और शिक्षा को लेकर और अपने बच्चों के लिए 'सफलता' के अर्थ के बारे में अपनी समझ को विस्तृत बनाना महत्वपूर्ण है। बेशक, यह अच्छा है अगर हमारे बच्चे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सीखें, इसमें कोई बुराई नहीं है अगर वे इन विषयों की पहेलियों को हल करना सीखते हैं- जल्दी, फुर्ती और चतुराई से। लेकिन फिर, यह 'कौशल' केवल उस चीज़ का अंश मात्र है जिसे सभी महान शिक्षक वास्तव में सार्थक, समग्र और जिंदगी बनाने वाली शिक्षा मानते हैं। गहन स्तर पर, शिक्षा का मतलब है सीखना, देखना और जिस दुनिया में हम विचरते हैं, उसे समझने की तमाम प्रमुख क्षमताओं का विकास करना– जैसे कि, आलोचनात्मक सोच को तेज करने के लिए बौद्धिक अनुभूति और तर्क करने की शक्ति, मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं की गहरी समझ बनाने के लिए कलात्मक और सौंदर्य बोध संबंधी संवेदनशीलता का विकास, मिल-जुलकर काम करने की भावना और भाईचारा, सहयोग और एकजुटता का महत्व समझना, और सबसे बढ़कर, बृहद पारिस्थितिकीय तंत्र से जुड़ाव की कला। लेकिन फिर, जब हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बाकी सब भूल जाएं, पूरी तरह से एकल-आयामी बन जाएं, केवल मानकीकृत परीक्षणों को पास करने वाली रणनीतिक तकनीकों को अपनाएं, तो ऐसा करके हम उनके शारीरिक, मानसिक और नैतिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। वे एक खुदगर्ज/अहंकारी प्रतिस्पर्धी बनकर रह जाते हैं, और वह खो देते हैं जो संवेदनशील और संवादकारी प्राणी के रूप में विकसित होने के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है- अच्छे शिक्षकों की संगति जो उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं, संगी-साथियों के साथ मिलकर काम करने का अनुभव और पुस्तकें और शिल्पकला, रंगमंच और फुटबॉल का आनंद, सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से दुनिया को जानना। खैर, मेरा 'व्यावहारिक' पड़ोसी कह सकता है कि अगर उसका बेटा किसी आईआईटी में दाखिला ले लेता है और आखिरकार उसे एक आकर्षक 'पैकेज' मिल जाए तो अंत में सब कुछ 'सही'। लेकिन फिर, यह 'सफलता' किस काम की, यदि वह अंदर से जख्मी, टूटा हुआ और अलग-थलग रहे? इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे स्कूल अनिवार्य रूप से वह समग्र शिक्षा और शुचितापूर्ण ज्ञान देने में सक्षम हैं, जिसकी मैं बात कर रहा हूं।

वास्तव में, कुछ उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर, हमारे स्कूल हमारे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक रूप से सूक्ष्म और गहरी आलोचनात्मक शिक्षा का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करने में विफल रहते हैं। इसके बजाय, आधिकारिक पाठ्यक्रम का बोझ, समयसारिणी का अत्याचार, भीड़भाड़ वाली कक्षा में शिक्षक का एकालाप, विज्ञान विषय के मुकाबले मानव विज्ञान को दोयम मानना, साप्ताहिक और वार्षिक परीक्षाओं का जंजाल, और सबसे बढ़कर, 'टॉपर्स' बनाना एकमात्र लक्ष्य-ब्रांडेड कोचिंग सेंटर वह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जिसका सही मायने में ठोस विकल्प बनने में हमारे विद्यालय विफल रहे हैं। संभवतः, कोचिंग सेंटर- जैसा कि मेरे पड़ोसी जैसे व्यावहारिक माता-पिता की सोच है- यह बेहतर ढंग से करते हैं क्योंकि ये दुकानें बच्चे के समग्र विकास को पल्लवित करने का भ्रम नहीं पालती, बल्कि, सिर्फ जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं को क्रैक करने के लिए एमसीक्यू हल करने की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। क्या यही कारण है कि हमारे स्कूल आत्मसमर्पण कर चुके हैं और पूरी तरह से असहाय होकर देख रहे हैं कि कैसे कोचिंग उद्योग युवाओं और उनके माता-पिता की चेतना पर कब्जा कर रहा है? ऐसा लगता है कि डमी स्कूलों की वृद्धि रोके नहीं रुकेगी। बेशक ऐसे विद्यालय भी हैं जहां जीवन-निर्वाह संस्कृति सिखाई जाती है, लेकिन भेड़चाल बन चुकी इस प्रवृत्ति को बदलना तब तक संभव नहीं, जब तक कि हम पेशेवर और उच्च शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए युवाओं के चयन के तौर-तरीकों में बदलाव नहीं करते। जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी बेहद समस्याग्रस्त मानकीकृत परीक्षाओं को दिए जा रहे महत्व ने स्कूल में छात्र के सीखने और प्रदर्शन का अवमूल्यन किया है। इसलिए विद्यालय में दिखाए जाने वाले प्रदर्शन को भी समान महत्व देना जरूरी है।

आप का नजरीया

भारत-चीन संबंधों में सुधार की पहल

भारत और चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 से पहले की स्थिति को फिर से बहाल करने पर सहमत होना दोनों देशों के संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीमा से संबंधित दशकों से स्थापित व्यवस्था तथा उनके आधार पर दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने के प्रयासों को 2020 में चीन की आक्रामकता से बड़ा झटका लगा था। गलवान में हुई हिंसक झड़प में कई भारतीय और चीनी सैनिकों की मौत भी हुई थी। उस घटना के बाद से सीमा पर तनातनी बढ़ती गयी तथा बड़ी संख्या में दोनों देशों ने अपने सैनिकों को तैनात किया। फिर भी भारत ने अपनी संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर आदि को ध्यान में रखते हुए कूटनीति और संवाद का सिलसिला जारी रखा। सैन्य अधिकारियों के अलावा हमारे विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन के अपने समकक्ष पदाधिकारियों से मिलते रहे। दोनों देशों के बीच सैनिक अधिकारियों की जो कार्यसमिति है, उसकी कई बैठकें हो चुकी हैं। साथ ही, कूटनीतिक और सैन्य अधिकारियों की संयुक्त समिति की बैठकें भी होती रही हैं। इन प्रयासों से तनाव को समाप्त करने में धीमी गति से प्रगति होती रही। इसका एक कारण यह है कि चीन भारत को एक प्रतिद्वंद्वी की तरह देखता है तथा यह समझता है कि उसे नियंत्रित करने में भारत अमेरिका को सहयोग देता है। पर वास्तव में भारत की नीति स्पष्ट है कि हम किसी भी देश के विरुद्ध नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेशी माहौल होना चाहिए तथा स्थापित नियमों का पालन सभी देशों को करना चाहिए। इस प्रकरण में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। यह दुनिया के उन देशों के लिए भी सबक है, जो युद्ध में हैं। यदि आप शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत का क्रम बनाकर आगे बढ़ते हैं, तब समाधान निकल ही आता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ पिघलेगी। यहाँ से आवश्यक है कि चीन अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखे। क्योंकि चीन के बारे में धारणा है कि वह कभी भी पलटी मार सकता है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू चीन के साथ भाई-भाई का नारा लगाते रह गए थे और चीन ने भारत की पीठ में छुरा घोंप दिया था। बहरहाल, भारत और चीन दोनों एशिया की महाशक्तियां हैं। एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति एवं विकास पर दोनों का गहरा प्रभाव है। इसलिए भी आवश्यक है कि दोनों देशों के बीच विश्वास का वातावरण बने और आपसी सहयोग की नीति बने। कहना होगा कि यहाँ से दोनों देशों के संबंध किस दिशा में आगे बढ़ते हैं, यह बहुत हद तक चीन के व्यवहार पर भी निर्भर करेगा। भारत तो सदैव से मित्रता और सह-अस्तित्व की भावना को लेकर आचरण करता है। यहाँ भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के वक्तव्य का उल्लेखनीय है- "संबंधों के तीन आधार होते हैं- परस्पर सम्मान, परस्पर हित और परस्पर संवेदना"। निःसंदेह, अगर चीन इन पर ध्यान देता है, तो परस्पर सहयोग बढ़ेंगे। भारत तो इन तीनों आधारों को सदैव जीता है।

राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में भाग लेकर देवनानी करेंगे चार देशों की यात्रा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। देवनानी सोमवार को दिल्ली से दोपहर दो बजे आस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे। देवनानी आस्ट्रेलिया में आयोजित राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 67 वें सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की बैठक आस्ट्रेलिया में पांच से आठ नवंबर तक होगी। देवनानी आस्ट्रेलिया में सम्मेलन में भाग लेने के बाद राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के पोस्ट कांफ्रेंस स्टडी ट्यूर के तहत इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान भी जाएंगे। देवनानी 20 नवंबर को दिल्ली वापिस लौटेंगे। इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी इन देशों में भारत के राजदूत से मुलाकात करेंगे। देवनानी इन देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करेंगे और संसदीय प्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदढिकरण से संबंधित

विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श करेंगे। इस अध्ययन यात्रा से राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलेगी। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का यह वार्षिक सम्मेलन है। यह सम्मेलन प्रतिवर्ष अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता है। देवनानी राष्ट्रमंडल ससदीय संघ की भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। देवनानी सम्मेलन में भाग लेने के लिए रविवार को जयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए। रविवार को विधानसभा में अधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को पुष्प भेंट कर इस विदेश यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन को आस्ट्रेलिया में सम्बोधित करेंगे। संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग, अवसर व चुनौतियां, संसदीय संस्थाओं की सुदृढ़ता के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए मानक व दिशा-निर्देश और लिंग आधारित हिंसा के मुकाबले के लिए कानून निर्माण विषयों पर राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में देवनानी प्रस्तुतीकरण देंगे। विभिन्न विधान मंडलों के विश्लेषण के साथ राजस्थान विधान मंडल के परिप्रेक्ष्य में यह प्रस्तुतीकरण होगा। राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान वहां के संसदीय संस्थाओं के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। देवनानी विभिन्न देशों के विधान मण्डलों के प्रतिनिधि मण्डलों को राजस्थान विधान सभा में किए गए नवाचारों की जानकारी देंगे। इस यात्रा के दौरान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी विधान सभा अध्यक्ष के साथ रहेंगे। देवनानी प्रवासी राजस्थानियों, शिक्षाविदो, सामाजिक संगठन और सिंधी समाज के प्रबुद्ध जन से भी मिलेंगे। देवनानी इस विदेश यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों, शिक्षाविदों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और सिंधी समाज के प्रबुद्धजन से भी मुलाकात करेंगे।

जयपुर स्वच्छता में देश के टॉप तीन शहरों में आए : दीया कुमारी

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को जयपुर के संस्थापक और उनके पूर्व महाराजा सवाई जयसिंह की जयंती के मौके पर स्टेच्यू सर्किल पहुंच कर दीप प्रज्ज्वलित किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर कुसुम यादव भी मौजूद थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर को एक नियोजित शहर के रुप में बसाया गया था जो अपने स्थापत्य और चौड़ी सड़कों के लिए विख्यात था और आज भी हम जयपुर शहर की सदियों पर योजनाबद्ध तरीक़े से बनी सुविधाओं का उपयोग कर रहे है। उन्होंने कहा कि जयपुर अब एक यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी है और ये हम सब की जिम्मेदार है कि हम जयपुर की विकास तो संजोने का काम करे। दीया कुमारी ने जोर दे कर कहा कि हेरिटेज को बचाने के साथ ही शहर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदार ना केवल सरकार और स्थानीय प्रशासन की है बल्कि शहर के नागरिकों की भी है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आह्वान किया कि जयपुर शहर को स्वच्छता के मामले में देश के टॉप तीन शहरों में शामिल करने के प्रयास किए जाए।

किसानों को उनकी मांग के अनुरूप मिलेगी डीएपी, नहीं है कोई संकट : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को चंडीगढ़ में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डीएपी खाद की उपलब्धता को लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है और सभी किसानों को समय पर खाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल रबी सीजन में अक्तूबर 2023 में डीएपी की कुल खपत एक लाख 19 हजार 470 मीट्रिक टन (एमटी) थी, जबकि अक्तूबर 2024 में खपत एक लाख 14 हजार मीट्रिक टन रही। आज की तारीख में राज्य में डीएपी की उपलब्धता 24 हजार मीट्रिक टन है और किसानों के लिए डीएपी की दैनिक आपूर्ति के लिए रेक प्लानिंग की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 रबी सीजन के दौरान नवंबर में कुल 72697 मीट्रिक टन की खपत हुई थी। राज्य सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप, केंद्र ने नवंबर महीने के लिए 110 हजार मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया है, जिसमें से नवंबर के पहले सप्ताह के लिए रेक मूवमेंट पर 41, 600 मीट्रिक टन और दूसरे सप्ताह के लिए 40 हजार मीट्रिक टन की योजना बनाई गई है और नवंबर 2024 के तीसरे सप्ताह में इसे घटाकर 20 हजार मीट्रिक टन कर दिया जाएगा। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते बताया कि डीएपी के लिए रैक योजना तैयार कर ली गई है। भिवानी, दादरी, रोहतक, महेंद्रगढ़, करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र और जींद को 3 नवंबर को रैक मिलेंगे।

भाजपा ने कभी जातिवाद की राजनीति नहीं की : बड़ौली

सोनीपत (हिंस)। प्रदेश में हरियाणा एक, हरियाणवी एक की सोच के साथ भाजपा सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने रविवार को डूम समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर आगे बढ़ रही है, जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। बड़ौली ने बताया कि भाजपा सरकार हर व्यक्ति को उसकी पात्रता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ दे रही है, चाहे वह किसी भी जाति का हो। जात-पात से ऊपर उठकर लोगों के विकास में सकारात्मक योगदान देना ही एक अच्छे राजनेता की पहचान है। रविवार को डूम समाज के लोगों ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिलकर ज्ञापन सौंपा। बड़ौली ने उन्हें डूम समाज के प्रति की गई टिप्पणी के संदर्भ में पूरी स्पष्टता से समझाया, जिसके बाद प्रतिनिधि संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का उद्देश्य जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर विकास के पथ पर आगे बढ़ना है।

फरीदाबाद में थाने के बाहर हिंदुओं का धरना, आरोपी के गिरफ्तारी की मांग

फरीदाबाद (हिंस)। बल्लभगढ़ सेक्टर 62 आशियाना फ्लैट्स में 10 साल की बच्ची के साथ विशेष समुदाय के युवक द्वारा अश्लील हरकत करने के मामले ने अब दूसरा रुख अपना लिया है। घटना 30 अक्तूबर की है, जब आशियाना फ्लैट में रह रही 10 साल की दलित बच्ची के साथ एक विशेष समुदाय के युवक ने गलत हरकत की थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया था, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। इसी से परेशान लगभग 15 घरों के बाहर विशेष समुदाय के आतंक के चलते अपने घरों को छोड़कर पलायन करने के पोस्टर चस्पा किए

थे। लेकिन बावजूद उसके अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पीड़ित परिवार और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों समर्थक आज आदर्श नगर थाने पहुंचकर धरने पर बैठ गए। उनकी मांग है कि जल्दी आरोपियों गिरफ्तार किया जाए नहीं तो उनका धरना समाप्त नहीं होगा। घटना फरीदाबाद के सेक्टर 62 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है, जहां पर इस तरह के पोस्टर अब भी मकानों के बाहर लगे हुए हैं। इस मामले में जानकारी देते हुए हाउसिंग बोर्ड के ही रहने वाले सुजीत कुमार ने बताया कि वह लोग विशेष दलित समुदाय से आते हैं। बीते 30 अक्तूबर को उनके पड़ोस की रहने वाली 10 साल की बच्ची के साथ अल्पसंख्यक कहे जाने वाले विशेष समुदाय के एक युवक ने गलत हरकत की थी। जब उन्होंने आरोपी के परिवार से इसकी शिकायत की तो उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। सुजीत ने बताया कि झगड़े में उनके अपने समुदाय के लोगों को काफी चोटें आई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर एसीपी और थाना प्रभारी के साथ-साथ भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची थी। पुलिस हालांकि इस मामले में कार्रवाई कर रही थी लेकिन अभी भी आरोपी फकरू नाम का प्रधान अपने समाज के लोगों के साथ मिलकर उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहा है।

प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के साथ कॉमन सेंस करेगा समुचित न्याय : राठौड़

चूरु (हिंस)। राज्य के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व विधि मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा है कि न्यायिक सेवा एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति न्याय की उम्मीद में जाता है। न्यायिक मजिस्ट्रेट कॉमन सेंस, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और निरंतर अध्ययन से अद्यतन रहकर समुचित न्याय सुनिश्चित कर सकते हैं। देश में न्याय व्यवस्था की एक साख है। नए चयनित युवा भी इस सेवा में जाकर ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे तथा इस साख को बढ़ाएंगे, ऐसा विश्वास किया जा सकता है। राठौड़ जिला मुख्यालय स्थित होटल ग्रांड शेखावाटी में आयोजित नव चयनित न्यायिक अधिकारियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विधि एवं न्याय के क्षेत्रा में योगदान के लिए लोहिया कॉलेज में प्रोफेसर रहे दिवंगत महावीर सिंह यादव गुरुजी का स्मरण किया और कहा गुरुजी व्यक्तित्व से अक्खर साधु और कृतित्व से प्रखर शिक्षक थे। आरजेएस चंद्रशेखर पारीक ने उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का काम किया है, वह महत्त्वपूर्ण बात है। उन्होंने चंद्रशेखर पारीक को चलता-फिरता विश्वविद्यालय बताते हुए कहा कि विधि एवं न्यायिक सेवाओं के क्षेत्र में विधि सत्संग निरंतर बेहतरीन काम कर रहा है जिसके लिए चूरू की धरती सदैव इन्हें याद रखेगी। राठौड़ ने कहा कि ब्रिटिश काल से चले आ रहे कानूनों और प्रक्रिया के चलते आज देशभर की अदालतों में लाखों मुकदमे लंबित पड़े हैं, जो अदालतों। भारत सरकार द्वारा इन कानूनों को भारतीय देश, काल एवं परिस्थिति के अनुसार बदला गया है। यह विधि के क्षेत्रा में अभूतपूर्व बदलाव का समय है। विधायक हरलाल सहारण ने नवचयनितों न्यायिक अधिकारियों से कहा कि वे प्रत्येक पीड़ित को न्याय देने के लिए काम करें और अपने धरातल को नहीं भूलें।

उपचुनाव के लिए सचिन पायलट दौसा समेत कई सीटों पर करेंगे जनसभाएं

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा की सात सीटों के उपचुनाव के प्रचार में कल से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट की एंट्री होगी। पायलट सोमवार से दौसा विधानसभा सीट से चुनाव प्रचार का आग़ाज करेंगे। पायलट कल दौसा में कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के समर्थन में जनसंपर्क और चुनावी जन सभाओं को संबोधित करने के साथ साथ प्रधान कार्यालय का भी शुभारंभ करेंगे। पायलट के जनसंपर्क अभियान की शुरुआत सोमवार सुबह 10 बजे भंडारेंज मोड़ पाड़ली से होगी। जनसंपर्क भांकरी पुलिया खोर्रा भेडोली खड़का, कुंडल तक चलेगा। इसके बाद पायलट दोपहर एक बजे सिण्डोली में चुनावी

जनसभा को संबोधित करेंगे। फिर बडोलीती, तरवाड़ा, महरों की ढाणी, पीलवा सैंथल, बीनावाला, बासड़ी चौराहा, बापी, खुरी में उनकी जनसभा होगी। शाम साढ़े चार बजे दौसा में पायलट कांग्रेस उम्मीदवार के प्रधान चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। पायलटऔर कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाली दौसा सीट पर भाजपा ने इस बार मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिया है जिससे इस सीट पर चुनाव बेहद रोचक हो गया है। दौसा के बाद आने वाले दिनों में सचिन पायलट उपचुनाव वाली अन्य सीटों पर भी चुनाव प्रचार करने जाएंगे। ग़ौरतलब है कि पहले विदेश दौरे और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त होने के चलते सचिन पायलट उपचुनाव वाली सीटों पर नामांकन प्रोग्राम में नहीं जा पाए थे। माना जा रहा है कि सचिन पायलट की एंट्री से उपचुनाव वाली सीटों पर कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान को गति मिलेगी।

पुल से नदी में गिरी कार, दो दोस्त की मौत

बांसवाड़ा (हिंस)। उदयपुर बांसवाड़ा स्टेट हाईवे पर बीती रात उदयपुर मार्ग पर स्थित चिड़ियावासा गांव में पुल पर एक बेकाबू कार पुल से नदी में गिर गई। कार में सवार तीन लोगों में से दो युवकों की हादसे में मौत हो गई। हादसे में तीसरा व्यक्ति घायल हुआ है। कार सवार तीनों युवक मित्र व पड़ोसी थे। दिवाली पर साबला से बांसवाड़ा शहर घूमने के लिए आए थे। एसआई रामलाल ने बताया कि शनिवार रात को साबला निवासी ईशान (29) पुत्र दिलीप जैन, मयूर टेलर (29) पुत्र शांतिलाल टेलर व राजेश कलाल (30) पुत्र दिनेश कलाल बांसवाड़ा से घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान चिड़ियावासा गांव के पुल पर कार बेकाबू होकर नदी में जा गिरी। इससे मयूर टेलर व राजेश कलाल की मौत हो गई। ईशान जैन को हल्की चोटें आई है। उसका चिकित्सालय में इलाज जारी है। दुर्घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। चिड़ियावासा गांव बांसवाड़ा शहर से 11 किमी और साबला कस्बे से 45 किमी दूर स्थित है। मृतक मयूर चार बहनों का इकलौता छोटा भाई था। राजेश की भी 1 ही बहन है। मयूर व राजेश दोनों ही विवाहित थे। मृतक मयूर टेलर के एक साल का व राजेश टेलर के तीन साल का बेटा है। हादसे के बाद सदर एएसआई हरिश्चंद्र सिंह, हैड कांस्टेबल कांतिलाल हाड़ा व कांस्टेबल यज्ञवर्धन सिंह सहित अन्य पुलिस जवानों ने मशक्कत कर मार्ग सुचारू किया। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और कार को क्रेन के जरिए निकाला गया।

गैर मुस्लिमों के साथ किया गया व्यवहार सारी दुनिया को पता चलना ही चाहिए : यति नरसिंहानंद

गाजियाबाद (हिंस)। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने रविवार को प्रेस वार्ता में कहा कि गैर मुस्लिमों के साथ किया गया व्यवहार आज सारी दुनिया को पता चलना ही चाहिए। आज सम्पूर्ण विश्व को पता चलना ही चाहिए कि दुनिया की ज्यादातर बड़ी मस्जिदें दूसरे समुदायों के पूजा उपासना स्थल को तोड़कर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम के विद्वानों को विनम्रता के साथ इस्लाम पर शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी

कहा कि वे 4 नवंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनके विरुद्ध दायर हुई जनहित याचिका पर अपना शपथपत्र भेजेंगे। प्रेस वार्ता में बालाजी मंदिर हिंडन विहार के श्रीमहंत मच्छेंद्र पूरी महाराज ने कहा कि यति नरसिंहानंद गिरी महाराज का पक्ष जानने की आवश्यकता है। यदि उनकी बातें सच हैं तो यह बहुत ही भयानक हैं। अगर उनकी बात सच नहीं है तो उन्हें इसका दंड मिलना चाहिए। इसीलिए संत समाज उच्च न्यायालय में हजरत ख्वाजा गरीबनवाज वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से डाली गई जनहित याचिका का समर्थन करता है। हम भी सौ संत अपनी ओर से शपथपत्र देकर उच्च न्यायालय से दूध का दूध और पानी का पानी करने का अनुरोध करेंगे। प्रेस वार्ता में श्रीमहंत राघवेंद्र पुरी ने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व के लिए इस्लाम की सच्चाई जानना बहुत जरूरी है।

नीतीश कुमार के नियुक्ति अभियान से विपक्ष बेचैन : विजय चौधरी

पटना (हिंस)। संसदीय कार्य मंत्री एवं पूर्व शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आज जदयू कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार चल रहे नियुक्ति अभियान से राजद नेतागण एवं विपक्ष बेचैनी में है। इसे नकारने की हिम्मत नहीं होने के कारण ये लोग अब घुसपैठ कर श्रेय में हिस्सा लेने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। विजय चौधरी ने कहा कि पूरा प्रदेश जानता है कि लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रधानाध्यापक की नियुक्ति का निर्णय एवं नियमावली की अधिसूचना मुख्यमंत्री के परामर्श से मेरे शिक्षा मंत्री रहते अगस्त 2021 में जारी हुई थी। इसके तुरंत बाद ही 6, 421 प्रधानाध्यापकों के पद के सृजन एवं नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकला था। अगस्त के प्रथम सप्ताह में ही नतीजे भी आ गए थे। विजय चौधरी ने कहा कि जब महागठबंधन की सरकार ही 10 अगस्त, 2022 को बनी, तो पिछले वर्ष 2021 के निर्णय का श्रेय लेने की कोशिश ही हास्यापद है। सच्चाई यह है कि नीतीश सरकार की उपलब्धियों को विपक्ष नकार नहीं सकता एवं इनकी अपनी कुछ भी उपलब्धि बताने लायक है ही नहीं, तभी इस प्रकार की नकारात्मक बेचैनी है।

सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी का सांसद चंद्रशेखर ने किया समर्थन

कानपुर (हिंस)। सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार का पर्चा निरस्त होने पर आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर ने भाजपा पर ही आरोप मढ़ दिया। इसके साथ ही सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी का समर्थन कर दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे बटेंगे तो कटेंगे पर भी कटाक्ष किया। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर रविवार को कानपुर पहुंचे और सेंट्रल स्टेशन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मीडिया से मुखातिब होते चंद्रशेखर ने कहा कि हमारा नारा है पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और साथ-साथ चलेंगे। बंटेंगे तो कटेंगे के जवाब में उन्होंने कहा कि ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य में पहले बांटा गया और फिर बची जातियों को गोत्र के आधार पर बांट दिया, यह किसने किया है। सीसामऊ में पार्टी उम्मीदवार

का पर्चा निरस्त होने पर कहा कि भाजपा के लोगों ने डरकर षडयंत्र करते हुए हमारे उम्मीदवार का पर्चा निरस्त करा दिया। हम इन चीजों से डरने वाले नहीं हैं। जिन सीटों पर हमारे उम्मीदवार लड़ रहे हैं, बेहद दमदारी के साथ वे चुनाव मैदान में है। चंद्रशेखर से जब पूछा गया कि आप पिछली बार कानपुर आए थे तो इरफान सोलंकी को अपना भाई बताया था, क्या अब उपचुनाव में उनके परिवार का समर्थन करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक रुप से मेरी कुछ मजबूरियां हैं, लेकिन अगर उनके परिवार से कोई चुनाव लड़ रहा है, तो यह जनता को तय करना है कि जब किसी पर जुल्म हो तो उसकी मदद करनी चाहिए या उसे अकेला छोड़ देना चाहिए। इस प्रकार उन्होंने बंद लब्जों में सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी का समर्थन कर दिया।

कटिहार के मनिहारी में नाव हादसा, दो बच्ची लापता

कटिहार (हिंस)। जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत दिलारपुर पंचायत के हटकोला विद्यालय के पास कोसी एवं गंगा नदी के संगम पर रविवार सुबह नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। इसपर 11 व्यक्ति सवार थे। इनमें से 9 व्यक्ति को एसडीआरएफ की मदद से बाहर निकल लिया गया है। शेष दो बच्ची लवली कुमारी पिता मुनि लाल मंडल तथा नेहा कुमारी पिता भीम मंडल समाचार लिखे जाने तक लापता हैं। घटना को लेकर मनिहारी अंचल अधिकारी ने बताया कि दोनों लापता बच्ची दिलारपुर पंचायत के वार्ड संख्या-6 के निवासी हैं। सभी परवल की खेती एवं पशु चारा के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा एसडीआर टीम एवं स्थानीय गोताखोरों की तैनाती कर लापता बच्चियों की खोज बीन की जा रही है। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, मनिहारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी मनिहारी एवं मनिहारी थानाध्यक्षआदि पुरे दल बल के साथ मौजूद हैं।

गोवर्धन पूजा के साथ धूमधाम से मना भाई बहन के प्रेम का प्रतीक भैया दूज

अररिया (हिंस)। जिले भर में शनिवार को गोवर्धन पूजा के साथ भैया दूज धूमधाम से ईमानय गया। गोवर्धन पूजा और भैया दूज को लेकर महिलाओं में सुबह से ही विशेष हर्षोल्लास देखा गया। भार के साथ भाई बहन के घर पहुंचकर पारंपरिक विधि से भैया दूज मनाते हुए बहनों ने भाईयों के लंबी आयु की कामना की। वहीं भाईयों ने भी बहन से आशीर्वाद लेने के साथ ही गिफ्ट और मिठाई भेंट की। गोवर्धन पूजा को लेकर महिलाओं एवं युवतियों ने गाय के गोबर से गोधन बाबा की मूर्ति बनाई। उनके परिवारों के साथ-साथ दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले मूसल, ओखल एवं गृहस्थी के तमाम संसाधनों को अपने कलाकृतियां के माध्यम से जमीन पर उकेरते हुए गोधन की कुटाई की। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के अटूट बंधन का प्रतीक है और इस दिन परिवारों में एकजुटता और स्नेह का माहौल रहता है। बहनें जहां भाइयों की सफलता की प्रार्थना करती हैं । वहीं भाइयों द्वारा बहनों की सुरक्षा का वादा किया जाता है। पारिवारिक और सामाजिक

संबंध को प्रगाढ़ता प्रदान करने वाले इस पर्व में महिलाऐं पारंपरिक लोकगीत-संगीत से गांवों की गलियों को जीवंतता प्रदान कर दी। महिलाएं गंगा मईया, तुलसीजी और भाइयों के दीर्घायु वाले लोक गीत के साथ-साथ भगवान शंकर के लोकगीत का गायन कर वातावरण को गुंजायमान कर दिया। महिलाएं गाय के गोबर से गोधन बनाई। जिसमें मुख्य पात्र के रूप में खोड़लीच बहिन विराजमान थी। रविवार को गोधन बाबा को कुटने का काम किया गया। शास्त्रों के अनुसार, गोधन कूटने के साथ हीं शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त का भी शुभारंभ हो जाता है।

त्यौहारी सीजन में ऑटो सेक्टर की खूब मौज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, किआ मोटर्स, हुंडई और मारुति सुजुकी ने एसयूवी की रिकार्ड ब्रिकी

मुंबई

अक्टूबर के महीने में त्यौहारों के दौरान भारत के ऑटो सेक्टर में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से, स्पेशल यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है।

देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के चलते ग्राहक अब अपग्रेडेड मॉडल्स पर स्विच करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), किआ मोटर्स, हुंडई और मार्केट बादशाह मारुति सुजुकी जैसी प्रमुख कार निर्माता कंपनियों ने अक्टूबर में एसयूवी की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। एमएंडएम के ऑटोमोटिव डिवीजन के प्रमुख ने बताया कि कंपनी ने अक्टूबर में 54,504 यूनिट्स की बिक्री की, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा, कुल बिक्री में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ एमएंडएम 96,648 वाहनों की बिक्री की।

कंपनी की शुरुआत बेहद शानदार रही जब थार रॉक्स को पहले 60 मिनट में ही 1.7 लाख बुकिंग मिलीं। त्यौहारी सीजन के दौरान एसयूवी पोर्टफोलियों में यह तेजी बनी रही। किआ इंडिया ने भी माह 28,545 यूनिट्स की डिलीवरी की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21,941 यूनिट्स की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। किआ ने 22,753 यूनिट्स की डिलीवरी की और 2,042 यूनिट्स का रिकॉर्ड निर्यात किया।

मारुति सुजुकी ने भी एसयूवी की बिक्री में 19.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने अक्टूबर में 37,902 यूनिट्स की बिक्री की, जो कि उनकी अब तक की सबसे अधिक मासिक एसयूवी बिक्री है।

यह बिक्री का उछाल ऑटो सेक्टर के लिए खुशनुमा रहा है, क्योंकि पिछले दो वर्षों से नई कारों की मांग में धीमी वृद्धि देखी गई थी। इससे कार निर्माता कंपनियों को डीलरों को कम कारें भेजने और बिकी हुई कारों के बढ़ते स्टॉक के साथ ग्राहकों को अधिक छूट देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

किआ के बिक्री और विपणन प्रमुख ने कहा कि कंपनी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वाहन डिलीवरी को प्राथमिकता दे रही है और स्मार्ट इन्वेंट्री कंट्रोल के माध्यम से ग्राहकों को उनके पसंदीदा वाहनों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

कोल इंडिया को उत्पादन उच्चस्तर तक बढ़ाना होगाः कोयला मंत्री रेड्डी

नई दिल्ली। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को भविष्य में उत्पादन को उच्चस्तर तक बढ़ाना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई अपने 50वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल का योगदान 80 प्रतिशत से अधिक है। कोयला मंत्रालय के एक बयान के अनुसार रेड्डी ने कहा कि देश में कोयले का उत्पादन अभी अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने सीआईएल से उत्पादन को और भी अधिक बढ़ाने का आग्रह किया। रेड्डी ने कहा कि महंगे आयात से बचने के लिए घरेलू स्रोतों से उत्पादन महत्वपूर्ण है। कोल इंडिया को भविष्य में उत्पादन को और अधिक बढ़ाना होगा। सीआईएल एक नवंबर, 1975 को राष्ट्रीयकृत कोकिंग कोयला और गैर-कोकिंग कोयला खदानों की शीर्ष होल्डिंग कंपनी के रूप में अस्तित्व में आई थी। बयान के अनुसार, 1975-76 के दौरान 8.9 करोड़ टन उत्पादन करने वाली महारत्न कोयला कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.7 गुना वृद्धि के साथ 77.36 करोड़ टन उत्पादन किया।

अक्टूबर में 7 बैंकों ने एफडी ब्याज दरों में संशोधन किया, 8.8 फीसदी तक ब्याज कमाने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली। अक्टूबर 2024 में शिवॉलिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडसइंड बैंक, फेडरल बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक सहित 7 बैंकों ने अपनी एफडी ब्याज दरों में संशोधन किया है। शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 24 अक्टूबर को बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव किया था। बैंक की तरफ से एफडी पर ग्राहकों को 3.5 फीसदी से 8.3 फीसदी तक का ब्याज जबकि वरिष्ठ नागरिकों को बैंक की तरफ से 4 फीसदी से लेकर 8.8 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 18 महीने से 24 महीने की अवधि की एफडी पर दिया जा रहा है, जो आम ग्राहकों के लिए 8.30 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.80 फीसदी है। इंडसइंड बैंक ने 7 अक्टूबर को बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव किया था। बैंक की तरफ से आम ग्राहकों को एफडी पर 3.5 फीसदी से लेकर 7.75 फीसदी जबकि वरिष्ठ नागरिकों 4 फीसदी से लेकर 8.25 फीसदी तक तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 1 साल से 2 साल तक की टैन्योर वाली एफडी कराने पर दिया जा रहा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की नई दरें 16 अक्टूबर से लागू हैं। बैंक की तरफ से ग्राहकों को 3 फीसदी से लेकर 7.75 फीसदी तक का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। बैंक की तरफ से सबसे ज्यादा ब्याज 7.75 फीसदी 400 से 500 दिन की अवधि की फिक्स्ड डिपॉजिट पर दिया जा रहा है। फेडरल बैंक की नई एफडी दरें 16 अक्टूबर से लागू हैं। बैंक की तरफ से ग्राहकों को 3 फीसदी से लेकर 7.4 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 777 दिन की अवधि की एफडी पर 7.40 फीसदी ऑफर किया जा रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा की नई एफडी दरें 14 अक्टूबर से प्रभावी हैं। बैंक की ओर से ग्राहकों को 4.25 फीसदी से लेकर 7.30 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज दिया जा रहा है। पंजाब नेशनल बैंक आम ग्राहकों के लिए 7 दिनों से 10 सालों की अवधि के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक की एफडी दरें दे रहा है।

होम लोन की तरह कार लोन पर भी टैक्स छूट का ले सकते हैं फायदा

नई दिल्ली। होम लोन पर सरकार की ओर से इस पर 3.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट मिल जाती है। इसमें 80सी के तहत ब्याज पर 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट मिलती है, जबकि 24बी के तहत मूलधन पर सालाधाना 2 लाख रुपये तक टैक्स छूट दिया जाता है लेकिन क्या आपको पता है कि होम लोन की तरह कार लोन पर भी टैक्स छूट का फायदा उठा सकते हैं। आखिर कैसे आप इन दोनों लोन पर भी टैक्स छूट ले सकते हैं, इसकी पूरी जानकारी यहां दी जा रही है। दरअसल, कार एक लग्जरी उत्पाद मानी जाती है इसलिए सामान्य तौर पर इसके लोन पर टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलता है लेकिन अगर आप पेशेवर हैं यानी डॉक्टर, इंजीनियर या वकील हैं अथवा अपनी कार का इस्तेमाल कारोबार के लिए करते हैं तो आयकर अधिनियम के तहत रिटर्न में दावा कर सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्ति को कार लोन पर टैक्स में रियायत का लाभ नहीं मिलेगा।

शहरी क्षेत्र में मांग कम होने से एफएमसीजी कंपनियों के मुनाफे में गिरावट बढ़ा सकती हैं भाव

कंपनियों के मुनाफे में सितंबर तिमाही में ऊंची उत्पादन लागत तथा खाद्य मुद्रास्फीति की वजह से गिरावट आई

नई दिल्ली

दैनिक जीवन में प्रतिदिन उपयोग में आने वाले सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनियों के मुनाफे में सितंबर तिमाही में ऊंची उत्पादन लागत तथा खाद्य मुद्रास्फीति की वजह से गिरावट आई है। इससे अंततः शहरी क्षेत्रों में खपत प्रभावित हुई है। एफएमसीजी कंपनियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सामान जैसे पाम तेल, कॉफी और कोको के भाव बढ़ गए हैं। ऐसे में अब कुछ एफएमसीजी कंपनियों ने कीमतें बढ़ाने का संकेत दिया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), मैरिको, आईटीसी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने शहरी खपत में कमी पर चिंता जताई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार एफएमसीजी क्षेत्र की कुल बिक्री में शहरी खपत की हिस्सेदारी 65-68 प्रतिशत रहती है। जीसीपीएल के एक अधिकारी ने दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के मौके पर कहा कि हमें लगता है कि यह एक अल्पकालिक झटका है और हम विवेकपूर्ण मूल्य वृद्धि और लागत को स्थिर करके मार्जिन को ठीक कर लेंगे। सिंथोल, गोदरेज नंबर-वन, हिट जैसे उत्पाद बेचने वाली जीसीपीएल ने भारत में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और उपभोक्ता मांग में कमी के बावजूद एक स्थिर तिमाही प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि ग्रामीण बाजार, जो पहले पीछे थे ने शहरी बाजारों की तुलना में अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है। एक अन्य एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया ने भी कहा कि सितंबर तिमाही में मांग का माहौल चुनौतीपूर्ण था, जिसमें उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और शहरी मांग में कमी' शामिल थी। डाबर च्यवनप्राश, पुदीन हरा और रियल जूस बनाने वाली कंपनी ने तिमाही के दौरान मुनाफे में 17.65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है और यह 417.52 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 5.46 प्रतिशत घटकर 3,028.59 करोड़ रुपये रही है। हाल ही में नेस्ले इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी एफएमसीजी क्षेत्र में गिरावट पर चिंता जताई और कहा कि मध्यम खंड दबाव में है क्योंकि उच्च खाद्य मुद्रास्फीति ने घरेलू बजट को प्रभावित किया है। खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि फल और सब्जियों तथा तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत का प्रबंधन मुश्किल हो जाएगा तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। जहां तक कॉफी और कोको की कीमतों का सवाल है, हम खुद एक मुश्किल स्थिति का सामना कर रहे हैं। नेस्ले इंडिया के पास मैगी, किट कैट और नेस्कैफे जैसे ब्रांड का स्वामित्व है।

कंपनी की बिक्री वृद्धि मामूली 1.2 प्रतिशत रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी कहा कि शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च प्रभावित हुआ है। सितंबर तिमाही के लिए कंपनी के नतीजों की घोषणा के मौके पर उन्होंने कहा कि मेरा मानना है खाद्य मुद्रास्फीति शायद हमारी सोच से अधिक है और इसका प्रभाव कहीं अधिक है। एचयूएल के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इस तिमाही में बाजार की मात्रा वृद्धि सुस्त रही है। स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि हाल की तिमाहियों या तिमाही में शहरी वृद्धि प्रभावित हुई है। ग्रामीण क्षेत्र में धीमी वृद्धि जारी है और अब पिछली कुछ तिमाहियों से यह शहरी क्षेत्र से आगे है और इस बार भी शहरी क्षेत्र से आगे है। एचयूएल के पास सर्फ, रिन, लक्स, पॉन्ड्स, लाइफबॉय, लक्मे, ब्रुक बॉन्ड, लिप्टन और हॉर्लिक्स जैसे ब्रांड का स्वामित्व है। सितंबर तिमाही में एचयूएल के मुनाफे में 2.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह मैरिको ने भी मांग में सालाना आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में शहरी क्षेत्र की तुलना में दोगुना वृद्धि दर्ज की है। एक अन्य एफएमसीजी कंपनी आईटीसी ने लागत में बढ़ोतरी की वजह से मार्जिन में 0.35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई

बीते सप्ताह लगभग आधा फीसदी की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार इस सप्ताह अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे शेयर बाजारों की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि यह सप्ताह काफी घटनाक्रमों वाला रहेगा। सप्ताह के दौरान कई वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं, जो बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा वैश्विक रुख से भी बाजार को दिशा मिलेगी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक मोर्चे पर घटनापूर्ण होने वाला है। पांच नवंबर को होने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर सभी की नजरें हैं। इसके अलावा अमेरिकी एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक महत्वपूर्ण होगी। भू-राजनीतिक दबाव और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। साथ ही सभी की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख पर रहेगी। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा कि बाजार का परिदृश्य अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, अमेरिकी एसएंडपी ग्लोबल कम्पोजिट पीएमआई, ग्लोबल सेवा पीएमआई और बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) के ब्याज दर पर निर्णय से दिशा लेगा। प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने एक नवंबर को दिवाली के अवसर पर एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित किया, जो नए संवत 2081 की शुरुआत का प्रतीक है। इस सप्ताह निवेशकों की निगाह अमेरिकी बाजार के घटनाक्रमों पर रहेगी।

भू-राजनीतिक दबाव और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार को प्रभावित करेंगी

अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी

नई दिल्ली

बकाया राशि के भुगतान में देरी के कारण अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी है। कंपनी ने बांग्लादेश को 7 नवंबर की समय सीमा दी है, जिसके बाद अगर बकाया राशि के निपटान पर कोई स्पष्टता नहीं होती है तो बिजली की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। अडानी पावर के मुताबिक बांग्लादेश पर 850 मिलियन (लगभग 7,200 करोड़ रुपये) की बकाया राशि है। बकाये का भुगतान नहीं होने पर पिछले गुरुवार से ही अडानी पावर ने बांग्लादेश को दी जाने वाली बिजली सप्लाई में 50 फीसदी की कटौती कर दी है। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) को पहले 31 अक्टूबर तक बकाया राशि चुकाने और 170 मिलियन (लगभग 1,500 करोड़ रुपये) का लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) जारी करने के लिए कहा गया था। बीपीडीबी ने कृषि बैंक के माध्यम से लेटर ऑफ क्रेडिट जारी करने का प्रयास किया, लेकिन यह बिजली खरीद समझौते की शर्तों के अनुरूप नहीं था। सूत्रों के अनुसार,

बांग्लादेश में डॉलर की कमी को इस समस्या का मुख्य कारण बताया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अडानी पावर झारखंड ने 31 अक्टूबर से बिजली आपूर्ति में कटौती कर दी, जिससे पहले से ही संकट का सामना कर रहे बांग्लादेश में बिजली की स्थिति और खराब हो गई है। पावर ग्रिड बांग्लादेश की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा रिपोर्ट के अनुसार अडानी का गोड्डा स्थित प्लांट 1,496 मेगावाट की स्थापित क्षमता के मुकाबले केवल 724 मेगावाट बिजली की आपूर्ति कर रहा है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 94,000 करोड़

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से 94,000 करोड़ रुपये लगभग 11.2 अरब अमेरिकी डॉलर निकाले हैं। इस तरह यह एफपीआई की निकासी के मामले में सबसे खराब महीना रहा है। घरेलू बाजारों में ऊंचे मूल्यांकन तथा चीन के शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल बने हुए हैं। इससे पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च, 2020 में शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। एफपीआई ने इस ताजा निकासी से पहले सितंबर में शेयरों में 57,724 करोड़ रुपये निवेश किए थे। यह उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर था। अप्रैल-मई में 34,252 करोड़ रुपये निकालने के

बाद जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भविष्य में भू-राजनीतिक घटनाक्रम, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, चीनी अर्थव्यवस्था में प्रगति और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे जैसे वैश्विक घटनाक्रम भारतीय शेयरों में विदेशी निवेश को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति का रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजे और त्योहारी मांग के आंकड़ों पर एफपीआई की नजर रहेगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की है। पूरे महीने में सिर्फ एक दिन एफपीआई लिवाल रहे हैं। इस तरह 2024 में शेयरों में उनका कुल निवेश घटकर 6,593 करोड़ रुपये रह गया है। एफपीआई की बिकवाली की वजह से प्रमुख सूचकांक अपने शीर्ष स्तर से करीब आठ प्रतिशत नीचे आ गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान बॉन्ड से सामान्य सीमा के माध्यम से 4,406 करोड़ रुपये निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) से 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में आया सुधार

विदेशी बाजारों में तेजी और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने से लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए

नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में तेजी और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। देशी डी-आयल्ड केक (डीओसी) के महंगा होने की वजह से कमजोर निर्यात मांग के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में बायोडीजल निर्माण में खाद्य तेल-तिलहनों का उपयोग बढ़ने के कारण विदेशों में सीपीओ और सोयाबीन डीगम तेल के दाम निरंतर मजबूत हो रहे हैं। खाद्य तेल-तिलहनों के बढ़ते उपयोग की वजह से विदेशों में डीओसी का उत्पादन बढ़ने लगा है और वहां डीओसी का बाजार टूटा है। ऊंचे भाव के कारण देशी डीओसी की निर्यात मांग निरंतर घटने लगी है। इसी वजह से

देश में सोयाबीन फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बिक रही है। आयातित तेल से अब भी देशी तेल महंगा है। इसकी वजह से सोयाबीन तेल की मांग प्रभावित हुई है। अगर सरकार को किसानों को उनकी फसल के वाजिब दाम दिलाने हैं तो किसानों को सोयाबीन डीओसी के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देनी पड़ेगी। दूसरी ओर सप्ताहांत के दिनों में विदेशों में खाद्य तेलों के दाम मजबूत होने तथा शिकॉगो एक्सचेंज में मजबूती से सोयाबीन तेल के दाम तेज रहे। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 600 रुपये की तेजी के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 120-120 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,280-2,380 रुपये और 2,280-2,405 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। डीओसी की कमजोर निर्यात मांग से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 35-35 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,725-4,775 रुपये और 4,425-4,460 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 750 रुपये, 850 रुपये और 450 रुपये बढ़कर क्रमशः 14,400 रुपये, 14,000 रुपये और 10,500 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 100 रुपये के सुधार के साथ 6,450-6,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 225 रुपये की तेजी के साथ 15,325 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की तेजी के साथ 2,305-2,605 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की तेजी के साथ 12,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 700 रुपये की तेजी के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 750 रुपये की तेजी के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 400 रुपये की तेजी के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बेन स्टोक्स के घर में चोरी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के घर में नकाबपोश चोरों ने चोरी की थी, जिसके बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। स्टोक्स उस समय टीम के साथ पाकिस्तान दौरे पर थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में, स्टोक्स ने एक्स से बात की और खुलासा किया कि उनके डरहम घर में चोरी हुई थी, जब वह टेस्ट सीरीज़ के लिए पाकिस्तान दौरे पर राष्ट्रीय टीम के साथ थे। उन्होंने लोगों से उनकी कीमती वस्तुओं की बरामदगी और चोरों को पकड़ने में मदद करने का भी आग्रह किया।

चोरी के समय स्टोक्स की पत्नी क्लेयर और उनके दो बच्चे घर पर थे, जिसके बारे में इंग्लैंड के कप्तान ने कहा कि यह कई नकाबपोश लोगों द्वारा किया गया था और इसने उनके परिवार की भावनात्मक और मानसिक स्थिति पर प्रभाव डाला।

चोरी की गई अपूरणीय वस्तुओं में स्टोक्स का ओबीई पदक भी शामिल था, जो उन्हें 2019 में इंग्लैंड की पहली 50 ओवर की विश्व कप जीत और उसके बाद एशेज श्रृंखला में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद 2020 की शुरुआत में दिया गया था। उन्होंने पाकिस्तान में रहने के दौरान अपने परिवार की अच्छी तरह से सहायता करने के लिए पुलिस को भी धन्यवाद दिया।

स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गुरुवार 17 अक्टूबर की शाम को कई नकाबपोश लोगों ने उत्तर पूर्व में कैसल ईडन क्षेत्र में मेरे घर में चोरी की। वे आभूषण, अन्य कीमती सामान और बहुत सारी निजी वस्तुएं लेकर भाग गए। उनमें से कई वस्तुओं का मेरे और मेरे परिवार के लिए वास्तव में भावनात्मक मूल्य है। वे अपूरणीय हैं। उन्होंने आगे लिखा, यह उन लोगों को खोजने में किसी भी तरह की मदद के लिए एक अपील है जिन्होंने इस कृत्य को अंजाम दिया। इस अपराध के बारे में अब तक की सबसे बुरी बात यह है कि इसे तब अंजाम दिया गया जब मेरी पत्नी और 2 छोटे बच्चे घर में थे। शुक्र है कि मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कोई शारीरिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, जाहिर है, इस अनुभव ने उनकी भावनात्मक और मानसिक स्थिति पर प्रभाव डाला है। हम बस यही सोच सकते हैं कि यह स्थिति कितनी बदतर हो सकती थी। मैं चोरी की गई कुछ वस्तुओं की तस्वीरें जारी कर रहा हूँ - जिन्हें मैं आशा करता हूँ कि आसानी से पहचाना जा सकता है - इस उम्मीद में कि हम उन लोगों को ढूँढ़ सकें जो इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। हालाँकि हमने अपनी कीमती चीज़ें खो दी हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से बता दूँ कि इन तस्वीरों को साझा करने का मेरा एकमात्र उद्देश्य भौतिक वस्तुओं की बरामदगी नहीं है। इसका उद्देश्य उन लोगों को पकड़ना है जिन्होंने यह किया। अगर आपको लगता है कि आपके पास कोई प्रासंगिक जानकारी है, तो कृपया आगे आएँ और 101 पर डरहम कॉन्स्टेबुलरी से संपर्क करें। उन्होंने आगे कहा, अंत में, मैं पुलिस सेवा को धन्यवाद कहना चाहता हूँ। अभी और जब मैं पाकिस्तान में था, तब भी मेरे परिवार के लिए उनका सहयोग असाधारण रहा है। वे इन लोगों को खोजने की कोशिश में अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करते रहते हैं। चोरी के बाद, स्काई स्पोर्ट्स द्वारा उद्धृत डरहम कॉन्स्टेबुलरी के एक बयान में कहा गया, कैसल ईडन में एक क्रिकेटर के घर में चोरी के बाद अधिकारी जानकारी के लिए अपील कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पेरिस मास्टर्स : खिताबी मुकाबले में हम्बर्ट का सामना ज्वेरेव से

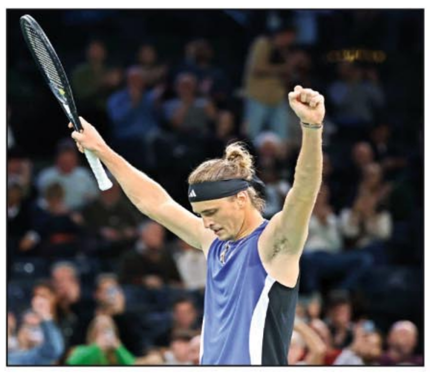

पेरिस। फ्रांसीसी स्टार उगो हम्बर्ट ने शनिवार को पेरिस मास्टर्स में घरेलू मैदान पर करेन खाचानोव को 6-7(6), 6-4, 6-3 से हराकर मास्टर्स 1000 स्तर पर अपने पहले फाइनल में प्रवेश किया। अपने सातवें टूर-लेवल खिताब की तलाश में, हम्बर्ट रविवार को चैंपियनशिप मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से भिड़ेंगे। ज्वेरेव ने छह मास्टर्स 1000 खिताब, दो एटीपी टूर फाइनल और टोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है। इस साल की शुरुआत में, हम्बर्ट ने दुबई और मार्सिले में ट्रॉफी जीती, जबकि ज्वेरेव ने रोम में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में ताज जीता। हम्बर्ट ने खाचानोव के खिलाफ मैच के बाद कहा, पेरिस में अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में ऐसा करना अद्भुत है। यह एक सपना है। पिछले मैचों की तुलना में यह थोड़ा मुश्किल था। मुझे थोड़ा ज़्यादा दबाव महसूस हुआ और पहला सेट हारने के बाद मैंने उस पल का लुत्फ़ उठाने और दर्शकों के साथ रहने की कोशिश की। मैंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और मुझे इस पर बहुत गर्व है। इस सप्ताह की शुरुआत में हंबर्ट ने कार्लोस अल्काराज को हराया था। खाचानोव के खिलाफ़ 35 विनर्स लगाने वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी एटीपी लाइव रैंकिंग में चार पायदान ऊपर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं और अगर वह खिताब जीतते हैं तो सोमवार को अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 11वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

हाइलो ओपन 2024: मालविका फाइनल में पहुंचीं; आयुष शेट्टी सेमीफाइनल में हारे

सारब्रुकेन (जर्मनी)। उभरती हुई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने शनिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त मालविका ने 44 मिनट तक चले मैच में जैकबसेन को 23-21, 21-18 से हराया। मालविका खिताबी मुकाबले में डेनमार्क की सातवीं वरीयता प्राप्त मिया ब्लिचफेल्ड से भिड़ेंगी। लेकिन गैर वरीयता प्राप्त भारतीय शटलर आयुष शेट्टी के लिए यह निराशाजनक रहा क्योंकि वह पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के चौथे वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव से हारकर बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज शेट्टी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, उनकी लय ढीली होती गई और वे विश्व में 28वें स्थान पर काबिज फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी से 17-21, 13-21 से हार गए। यह दोनों शटलरों के बीच पहली मुलाकात थी जिसमें भारतीय खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रहा।

अन्तरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी ताड़केश्वर सिंह ने बालिकाओं को दिया प्रशिक्षण

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी और लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित ताड़केश्वर सिंह यादव ने रविवार को भंदहा कला (कैथी) गांव में ग्रामीण बालिकाओं को कबड्डी खेल के बारे में जानकारी देकर उन्हें प्रशिक्षित भी किया। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट की पहल पर गांव में पहुंचे ताड़केश्वर सिंह ने बालिकाओं को कबड्डी खेल में अच्छा करने के लिए कुछ उपयोगी टिप्स भी दी। इस दौरान खिलाड़ी ने सामाजिक संस्था के ई- लाइब्रेरी का अवलोकन किया। ई-लाइब्रेरी की प्रशंसा कर खिलाड़ी ताड़केश्वर ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं के लिए कबड्डी में काफी संभावनाएं हैं। बालिकाओं को कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स में जाना चाहिए। उन्होंने खेल में बालिकाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों में अनेक प्रतिभाएं छिपी हुई हैं। उन्हें तलाशने और तराशने की जरूरत है। इसके पूर्व संस्था के सदस्यों ने खिलाड़ी ताड़केश्वर सिंह यादव व उनके साथ आये कबड्डी और शूटिंग बॉल कोच रमेश कुमार का स्वागत किया। संस्था के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं को स्कूली शिक्षा के दौरान खेल का उचित प्रशिक्षण, खेल सामग्री और आवश्यक पोषण दिया जाना चाहिए। तभी हम अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अधिक पदक पा सकेंगे।

वानखेड़े स्टेडियम में एजाज पटेल ने मचाया धमाल, न्यूजीलैंड ने किया ऐतिहासिक वाइटवाश

मुंबई,

चौथी पारी में एजाज पटेल के (6-57) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मुंबई में खेले गए अंतिम टेस्ट के तीसरे दिन भारत को 25 रनों से हराकर ऐतिहासिक 3-0 से क्लीन स्वीप किया। यह पहली बार है जब भारत को तीन या उससे ज़्यादा मैचों की सीरीज़ में घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप किया गया है।

बेकार गई पंत की अर्धशतकीय पारी, विवादास्पद तरीके से हुए आउट

147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने लंच तक 92 रन पर 6 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। दूसरे सत्र की शुरुआत में जीत के लिए 55 रन और चार विकेट शेष थे, भारत की उम्मीदें पूरी तरह से ऋषभ पंत (64) पर टिकी थीं, जिनकी साहसिक पारी ने मेजबान टीम को लक्ष्य के करीब तक पहुँचाया। हालाँकि, एजाज ने जल्द ही भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और एक बेहद विवादास्पद निर्णय में पंत को विकेट के पीछे कैच करा दिया। पंत को शुरू में मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने नॉट आउट करार दिया था, लेकिन डीआरएस पर अल्ट्राएज ने मामूली सी भी गड़बड़ी पकड़ ली। तीसरे अंपायर के लिए समस्या यह थी कि यह कहना मुश्किल था कि यह बल्ले के पैड से टकराने या किनारे से मामूली सी आवाज थी। ऐसे मामलों में, मैदानी अंपायर का फैसला आम तौर पर बना रहता है, लेकिन पॉल रीफेल ने इसे पलटने का फैसला किया, जिससे पंत को झटका लगा।

यह भारत के लिए एक बड़ा झटका था और उसके बाद से, वाशिंगटन सुंदर और रविचंद्रन अश्विन के क्रीज पर होने के बावजूद भी परिणाम पहले से ही तय था। पिच की प्रकृति और भारत की ओर से बल्लेबाज़ी में कमी का मतलब था कि पंत को अपना काम पूरा करने के लिए अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। तमिलनाडु की जोड़ी ने कुछ समय तक टिके रहने का प्रयास किया, लेकिन अश्विन ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने का प्रयास किया, और इसी प्रयास में उन्होंने अपना विकेट भी फेंक दिया। फिलिप्स ने अगली गेंद पर आकाश दीप को शून्य पर आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। 121 के कुल स्कोर पर

एजाज ने स्लॉग स्वीप करने के प्रयास में एजाज को क्लीन बोल्ड कर न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

एजाज पटेल ने 6, ग्लेन फिलिप्स ने 3 और मैट हेनरी ने 1 विकेट लिया।

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में बनाए 174 रन, भारत के सामने रखा 147 रनों का लक्ष्य

इससे पहले न्यूजीलैंड की दूसरी पारी 174 रनों पर समाप्त हुई। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड के लिए विल यंग ने 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। यंग के अलावा डेरिल मिचेल ने 21, डेविड कॉनवे ने 22 और ग्लेन फिलिप्स ने 26 रन बनाए। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने 5, रविचंद्रन अश्विन ने 3 और वाशिंगटन सुंदर व आकाशदीप ने 1-1 विकेट लिया। भारत की पहली पारी 263 रन पर सिमटी, गिल शतक से चूके, पंत का अर्धशतक इससे पहले शुभमन गिल (90), ऋषभ पंत (60) के शानदार अर्धशतक और आखिरी में वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 38) की महत्वपूर्ण पारी की बदौलत भारत ने अपनी पहली पारी मे 263 रन बनाए और 28 रनों की बढत हासिल की। वहीं, न्यूजीलैंड की तरफ से एजाज पटेल ने 4 विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 235 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की ओर से एजाज पटेल ने 5, मैट हेनरी, ग्लेन फिलिप्स और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिया।

न्यूजीलैंड की पहली पारी 235 रन पर सिमटी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी करते हुए 235 रन बनाए। टीम के लिए कप्तान टॉम लैथम ने 28, विल यंग ने 71 और डेरिल मिचेल ने 82 रन की पारी खेली।

भारत की तरफ से रविन्द्र जडेजा ने 5 विकेट, वॉशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट और आकाशदीप को एक सफलता मिली।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

सबालेंका से पहला मैच हारीं झेंग किनवेन

रियाद

चीन की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने रियाद में चल रहे डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने पहले अभियान की शुरुआत हार के साथ की। किनवेन शनिवार को दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बेलारुस की आर्यना सबालेंका से 6-3, 6-4 से हार गईं।

इस बीच, पर्पल ग्रुप के एक अन्य एकल मैच में, इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को 7-6(5), 6-4 से हराया। झेंग ने इस सीजन में सबालेंका का तीन बार सामना किया है, जिसमें पिछले महीने वुहान ओपन के फाइनल में तीन सेटों के कड़े मुकाबले सहित सभी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

अपने डब्ल्यूटीए फाइनल डेब्यू में आठ प्रभावशाली ऐस सर्व करने के बावजूद, झेंग प्रत्येक सेट में एक बार ब्रेक की गई और अंततः शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से हार गई।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर झेंग ने कहा, मैंने मैच में अपना लगभग 60-70 प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ दिया, और अभी भी सुधार करने के लिए कुछ विवरण हैं। एक बार जब मैं उन्हें सुधार लूंगी, तो मुझे विश्वास है कि मैं वास्तव में उसे चुनौती दे सकती हूँ। ऐसा लगा जैसे मैं चीन में वापस आ गई हूँ। उनके समर्थन ने मुझे बहुत ताकत दी।

अगले मैचों में झेंग का सामना शेष राउंड-रॉबिन ग्रुप स्टेज मैचों में रयबाकिना और पाओलिनी से होगा।

उन्होंने कहा, मैं लक्षित प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करूँगी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपना टेनिस खेलूँ और अपनी शैली दिखाऊँ। पाओलिनी, जो अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में भी भाग ले रही थीं, ने पहले सेट को एक करीबी टाईब्रेक में जीता और फिर दूसरे सेट के सातवें गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक का लाभ उठाते हुए रयबाकिना को हराया, जो दूसरे दौर से पहले यूएस ओपन से हटने के बाद से अपना पहला टूर मैच खेल रही थीं। डबल्स ग्रीन ग्रुप में शुरुआती दौर में दो रोमांचक वापसी देखने को मिली। निकोल मेलिचर-मार्टिनेज और एलेन पेरेज़ ने हसीह सु-वेई और एलीज़ मर्टेनस को 1-6, 6-1, 10-6 से हराया। इस बीच, कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने ल्यूडमिला किचेनोक और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-3, 11-9 से हराया।

केरला ब्लास्टर्स एफसी पर जीत देगी मुम्बई सिटी के अभियान को गति

मुम्बई

मुम्बई सिटी एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी आज शाम मुम्बई फुटबॉल एरिना में एक रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार हैं। ओडिशा एफसी के खिलाफ पिछला मैच ड्रॉ खेलने के बाद मुम्बई वापसी के लिए दृढ़ संकल्प हैं जबकि ब्लास्टर्स का लक्ष्य लगातार दूसरी हार से बचना होगा।

मुम्बई हाल ही में विपक्षी डिफेंस को भेदने के लिए जूझ रहे हैं, अपने पिछले दो घरेलू मैचों में से केवल एक गोल कर पाए हैं। लिहाजा, मुम्बई अपने आक्रामक फॉर्म पाने के लिए उत्सुक होंगे।

मुम्बई सिटी एफसी प्रति मैच 2.6 बड़े मौके बनाती है (आईएसएल में दूसरा सबसे अधिक), लेकिन अपने मौकों को गोल में बदलने की उनकी दर सबसे कम 15.4 प्रतिशत है। यह मुकाबला उनके फिनिशिंग कौशल की परीक्षा होगा।

ब्लास्टर्स लगातार 10 मैचों में क्लीन शीट नहीं रख पाए हैं, इस अनचाहे सिलसिले को समाप्त करना चाहेंगे। मुम्बई के घरेलू लाभ और स्कोरिंग क्षमता उनकी डिफेंस की परीक्षा लेगी। ब्लास्टर्स बॉक्स के अंदर से 63.4 प्रतिशत शॉट लगाते हैं और उनके हमलों की कमान नौहा सदौई के हाथों में होगी।

आईएसएल में ये दोनों टीमें 20 बार भिड़

चुकी हैं, जिनमें से आइलैंडर्स ने नौ मैच जीते हैं जबकि ब्लास्टर्स को पांच जीत मिली है। छह मैच ड्रा रहे हैं।

स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टाहरे का मानना है कि टीम सही रास्ते पर हैं। वह व्यक्तिगत गलतियों से बचने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं, जो हाल के दिनों में टीम को परेशान कर रही हैं।

उन्होंने कहा, बेंगलुरू एफसी से घर पर हार के बाद हर कोई बहुत निराश था, लेकिन टीम को फिर से संगठित करना मुश्किल नहीं था। हम जानते हैं कि आगामी मैच कठिन होगा लेकिन हम ऊर्जावान और आशावादी हैं। मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं, हालांकि हार वास्तव में दर्दनाक थी, लेकिन फुटबॉल में कभी-कभी ऐसा होता है। हमने व्यक्तिगत गलतियां कीं और वे फुटबॉल का हिस्सा हैं, लेकिन गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण है।

एचआईएल : दिल्ली एसजी पाइपर्स में शामिल हुईं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता लिली ओवस्ले

नई दिल्ली

दिल्ली एसजी पाइपर्स ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सत्र के लिए इंग्लैंड की मिडफील्डर और महिला हॉकी सुपरस्टार लिली ओवस्ले के साथ करार किया है। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने शनिवार को उक्त घोषणा की।

लिली ओवस्ले एक बेहद प्रतिष्ठित खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और 2020 टोक्यो में कांस्य पदक जीता है। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं।

ओवस्ले महिला टीम से 28 वर्षीय डच मिडफील्डर ज़ान डे वार्ड की जगह लेंगी, जिन्होंने निजी कारणों से एचआईएल के इस सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली एसजी पाइपर्स महिला टीम के कोच डेव स्मोलेनर्स ने कहा, ज़ान डे वार्ड, जो निस्संदेह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से

एक हैं, को खोना टीम के लिए एक झटका है। लेकिन 2 बार की ओलंपिक पदक विजेता लिली ओवस्ले को उनकी जगह लेने में सक्षम होना एक बड़ी राहत है।

उन्होंने कहा, वह टीम को उसकी क्षमता तक पहुँचने में मदद करने के लिए अपने अनुभव, नेतृत्व और तेज़ गति के खेल का उपयोग करेंगी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता होने के अलावा, ओवस्ले ने 2022 और 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत भी जीता है। उनके पास दो यूरोपीय चैम्पियनशिप पदक भी हैं, 2015 लंदन में स्वर्ण और 2017 एम्सटेलवीन, नीदरलैंड में कांस्य।

एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) के सीईओ, महेश भूपति ने ओवस्ले का टीम में स्वागत किया।

उन्होंने कहा, लिली का शामिल होना पाइपर्स के लिए शानदार है और मैं उनका टीम में स्वागत करता हूँ। अपने खाते में दो ओलंपिक पदक होने के साथ, वह हमारे लिए अपने साथ बहुत सारा अनुभव लेकर आई हैं जो हमारे लिए बहुत मददगार होगा। वह अपने कौशल और क्षमताओं से खेल को नियंत्रित कर सकती हैं, और एक आक्रामक मिडफील्डर के रूप में उनकी भूमिका दिल्ली एसजी पाइपर्स टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। दिल्ली एसजी पाइपर्स का स्वामित्व एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) के पास है।

सीनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप सोमवार से, चेन्नई करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

सीनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वां संस्करण सोमवार को तमिलनाडु के चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। 16 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 31 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें आठ पूल में बांटा गया है।

लीग चरण के दौरान, प्रत्येक टीम अपने पूल की हर दूसरी टीम के खिलाफ खेलेगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीम 13 नवंबर को क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी, उसके बाद 15 नवंबर को सेमीफाइनल और 16 नवंबर को फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान के लिए प्ले-ऑफ होगा।

पूल ए में मौजूदा चैंपियन हॉकी पंजाब के साथ दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी शामिल हैं। पूल बी में हॉकी हरियाणा, तेलंगाना हॉकी, हॉकी हिमाचल और हॉकी मिजोरम शामिल हैं।

पूल सी में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु, हॉकी

मध्य प्रदेश, हॉकी आंध्र प्रदेश और हॉकी अंडमान और निकोबार शामिल हैं। पूल डी में हॉकी कर्नाटक, हॉकी चंडीगढ़, हॉकी उत्तराखंड और त्रिपुरा हॉकी शामिल हैं। पूल ई में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा का मुकाबला ले पुडुचेरी हॉकी, हॉकी राजस्थान और हॉकी अरुणाचल से होगा।

पूल एफ में उत्तर प्रदेश हॉकी, दिल्ली हॉकी, केरल हॉकी और हॉकी जम्मू और कश्मीर शामिल हैं। पूल जी में हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र, गोवा हॉकी और हॉकी गुजरात शामिल हैं। पूल एच में मणिपुर हॉकी, हॉकी बंगाल, हॉकी बिहार और असम हॉकी शामिल हैं।

टूर्नामेंट की शुरुआत कई मैचों से होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश हॉकी बनाम केरल हॉकी और हॉकी कर्नाटक बनाम हॉकी उत्तराखंड जैसे कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं, जो एक रोमांचक चैंपियनशिप के लिए मंच तैयार करते हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने आगामी टूर्नामेंट के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम चेन्नई में 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करके बहुत खुश हैं, यह एक समृद्ध हॉकी विरासत वाला शहर है। यह चैंपियनशिप देश भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है और भारतीय हॉकी के भविष्य के सितारों को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण आयोजन है। मैं सभी टीमों को शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह चैंपियनशिप उच्च गुणवत्ता वाली हॉकी और गहन प्रतिस्पर्धा का वादा करती है। हमने भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि देखी है, और देश के सभी कोनों से उत्साह देखना उत्साहजनक है। मैं कुछ रोमांचक मैचों की प्रतीक्षा कर रहा हूं क्योंकि टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

पहचानने की क्षमता को प्रभावित करती है अनिद्रा

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से चेहरा पहचानने की सटीकता पर असर पड़ सकता है। कम सोने से अधिकारियों द्वारा किया जाने वाला पासपोर्ट मिलान का महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए सीसीटीवी की तस्वीर से पुलिस रिकॉर्ड से पहचान करने की या पासपोर्ट फोटो से यात्री की शक्ल मिलाने की जरूरत पड़ती है। कम नींद लेने की वजह से ये फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

हेल्थ फेक्ट

व्यायाम से बदल सकते हैं डीएनए...

जब आलसी लोग कुछ मिनट के लिए व्यायाम करते हैं, तब उनके डीएनए पर तत्काल परिवर्तन होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, यह व्यायाम करने वाले को मजबूत बना सकता है। व्यायाम से आदमी की मांसपेशियों का आनुवांशिक कोड बदलता नहीं है लेकिन इन मांसपेशियों के डीएनए अणुओं में कई तरह से संरचनात्मक बदलाव आते हैं। व्यायाम से डीएनए के विशिष्ट स्थानों पर पहले की घटनाओं के आधार पर मांसपेशियों की आनुवांशिक संरचना में यह बदलाव दिखता है जो ताकत बढ़ाता है और अंततः मेटाबॉलिज्म को फायदा होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हमारी मांसपेशियों में बहुत टाक्सिन है।

यह अक्सर कहा जाता है कि आप जो खाते हैं वैसे बनते हैं। इसी तरह, आप जो करते हैं उसी हिसाब से मांसपेशियां भी बदलती हैं। यदि आप इनको निष्क्रिय बनाए रखेगें तो इससे इसकी ताकत कम होती है और यह एक रास्ता है जिससे यह होने की अनुमति देता है। डीएनए में बदलाव का यह प्रश्न एपीजेनेटिक (वंशानुगत) संशोधन कहलाता है। यह पारिवारिक क्रम के अनुसार डीएनए के केमिकल अंकों के फायदे और नुकसान में शामिल होता है।

शोध के अनुसार

नया अध्ययन यह दर्शाया कि जो लोग पहले एक्सरसाइज करते थे उनकी हड्डियों और मांसपेशियों के डीनएनए के केमिकल अंकों की तुलना में तुरंत व्यायाम करने वाले लोगों के केमिकल अंक कम होते हैं। यह परिवर्तन उस प्रकार के डीएनए में अपना स्थान बनाता है जिसके फंक्शन कार्यशील हो जाते हैं और व्यायाम के समय मांसपेशियों के जीन्स में समायोजित होते हैं।

जब शोधकर्ताओं ने लैब में मांसपेशियों का विभिन्न डिशेज के साथ संपर्क किया, तब उन्होंने डीएनए मिथाइल समूह में समान रूप से नुकसान देखा। एपीजेनेटिक परिवर्तन जीन्स के लचीलेपन को बारी-बारी से बदलने की क्षमता रखता है। यह हमारी कोशिकाओं के डीनएनए को पर्यावरण के अनुरूप बनाता है। डॉक्टरों के अनुसार, व्यायाम दवा है, जो केवल हल्के सैर से जीनोम्स को स्वस्थ तरीके से बदलता है।

जानें फर्टिलिटी फूड्स के बारे में...

आजकल की खराब लाइफस्टाइल और बुरी आदतों की वजह से महिलाओं में फर्टिलिटी की समस्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है, जिससे कंसीव करने में बड़ी परेशानी होती है। लेकिन क्या कभी सोचा है कि अगर अपनी डाइट में कुछ ऐसे आहार शामिल कर लिये जाएं, जिससे फर्टिलिटी बढ़ जाए तो कितना अच्छा होगा। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही फर्टिलिटी फूड्स के बारे में, जिन्हें अपने डाइट में शामिल कर इस दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, खासकर पालक प्रजनन अंगों को स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद आयरन, फॉलिक एसिड व एंटीऑक्सीडेंट्स काफी मददगार होते हैं। पालक में मिलने वाला फोलिक एसिड न सिर्फ प्रेंगनेंट होने में मदद करता है, बल्कि नवजात में होने वाली समस्याओं से भी बचाता है।

पीली व नारंगी सब्जियां

महिलाओं को अपने खाने में नारंगी व पीले रंग की सब्जियों को शामिल करना चाहिए। ये सब्जियां एंटी आक्सिडेंट व बीटा केरोटीन का अच्छा स्रोत है। बीटा केरोटीन महिलाओं में हार्मोन्स के असंतुलन को कम करता है, जिससे आपको कंसीव करने में मदद मिलती है। इसके अलावा गर्भपात की आशंका भी कम हो जाती है।

रेशेयुक्त भोजन

महिलाओं को अपने आहार में साबुत अनाज लेना चाहिए। ब्राउन राइस, गेहूं की ब्रेड, बींस और फ्लैक्स सीड को शामिल करना चाहिए। ये रेशेयुक्त आहार हैं, जो पचने में आसान होते हैं। अगर पाचन-क्रिया सही रहेगी, तो शरीर में कोई भी विषैला तत्व नहीं रहेगा।

पीएं ज्यादा पानी

यह तो सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि ज्यादा पानी पीने से कंसीव करने भी मदद मिलती है। प्रजनन अंग ठीक से काम करते हैं। प्राकृतिक तरल पदार्थ आसानी से स्पर्म सर्विक्स तक पहुंचते हैं।

गाजर खाएं

गर्भवती होने के लिए जरुरी है कि महिलाओं के मासिक धर्म नियमित हो। इसके लिए गाजर, मटर, स्वीकट पटैटो आदि का सेवन करें, इससे मासिक धर्म नियमित रहेगा। साथ ही आप जल्द ही कंसीव कर सकेंगी।

विटामिन-सी

विटामिन-सी वाले आहार, जैसे- संतरा, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी व किवी फ्रूट का नियमित सेवन करने से महिलाओं को कंसीव करने में मदद मिलती है।

दूध से बने इटेबल्स लें

दूध से बने खाद्य सामान महिलाओं में प्रजनन क्षमता को बढ़ाते हैं। इसलिए महिलाओं को दूध, दही खाना चाहिए। इसके अलावा मछली में मिलने वाला एमीनो एसिड भी फर्टिलिटी बढ़ाता है। आप इसे भी अपने खाने में शामिल कर सकती हैं।

बादाम खाएं

गर्भवती होने के लिए महिलाएं बादाम, अखरोट और अप्रीकॉट भी खा सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो कि शरीर के लिए काफी जरूरी है। ताजा और ऑर्गेनिक फल आपको प्रेगनेंट होने में मदद करता है। ऐसे फल, जो पैक या प्रिजर्व करके रखे जाते हैं, उनमें केमिकल मिला होता है। इसलिए इसे खाने से बचना चाहिए।

मछली में ओमेगा-3

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, डीएचए, इपीए, विटामिन-डी और बी-12 नामक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में हार्मोन्स को संचालित करते हैं। मछली न सिर्फ फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान भी शिशु के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि ओमेगा-3 एसिड युक्त डाइट के सेवन से पुरुष फर्टाइल होते हैं। इसलिए यह सभी के लिए फायदेमंद है।

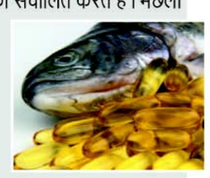

डाइ इनडोलीमिथेन

बंदगोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, मोठ व स्प्राउट्स जैसी सब्जियों में डीआईएम यानी डाइ इनडोलीमिथेन नामक तत्व भरपूर मात्रा में होता है। यह फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद होता है। शरीर में अतिरिक्त एस्ट्रोजेन को कम भी करता है। जिससे यूट्रीन फाइबरॉयड, ओवरी के सिस्ट और एंडोमीटोरॉयसिस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

नट्स और बीन्स

नट्स और बीन्स में जरुरी फैटी एसिड, विटामिन्स, मिनिरल्स और भरपूर मात्रा में प्रोटीन होते हैं। इसके अलावा ये बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करते हैं। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होता है। प्रजनन-तंत्र को जरुरी तत्व मिलते हैं। इससे महिलाओं में भ्रूण का विकास तेजी से होता है। पुरुषों में स्पर्म की क्वॉलिटी भी सुधरती है।

अंडा है फायदेमंद

अंडे की पीली जर्दी फर्टिलिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 एसिड, विटामिन-ए और ई, पानी में घुलने वाला विटामिन-बी, यानी कोलाइन भी होता है। इसके सेवन से गर्भ के भीतर शिशु का नर्व सिस्टम ठीक रहता है। ऐसे में अंडे का सेवन फर्टिलिटी बढ़ाने और हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए फायदेमंद है।

हेल्थ केयर

वजन घटाने में फायदेमंद हैं जापानी नुस्खे

वजन घटाने के लिए कोई जिम जाता है तो कोई डाइटिंग करता है। इसके बाद भी बहुत से लोगों का वजन कंट्रोल नहीं होता है। क्या आप जानते हैं कि जापानी लोग अपना वजन कैसे घटाते हैं, और इसकी प्रकिया किस तरह होती है, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा वो वजन घटाने के जापानी नुस्खे काम में लेते हैं। इसे असा कहा जाता है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि ये वजन कम करने का सांइटिफिक और अचूक उपाय है। जिसके नियमित इस्तेमाल से वजन कम होना तय है। जिस तरह हमारे यहां ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत नींबू पानी या फिर चाय से करते हैं, उसी तरह जापान में लोग दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और केले से करते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होने से फैट जल्दी बर्न होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है, लेकिन इससे कमजोरी हो सकती है। ऐसे में केला खाना फायदेमंद होता है। केला खाने से एनर्जी मिलती है और पेट भी भरा हुआ महसूस होता है। इससे समय-समय पर कुछ खाने का मन नहीं करता। वजन कंट्रोल होने का ये एक बहुत बड़ा कारण है। आप सिर्फ सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी पिएं। उसके बाद आधे घंटे तक वॉक करें।

अब दो केले खाएं। इस उपाय को नियमित रूप से करें। इससे वजन तो कम होगा ही। साथ ही अन्य फायदे भी होंगे। इससे इंफेक्शन का खतरा कम होता है और कई बीमारियों से बचाव होता है। पेट से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। बॉडी टॉक्सिन्स दूर हो जाते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है। कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मददगार है।

फ्लू से निजात दिलाएंगी यह नई वैक्सीन

इन दिनों फ्लू, वायरल बुखार,डेंगू और चिकनगुनिया की समस्या काफी फैली हुई है। ऐसा मौसम बदलने के कारण होता है क्योंकि मौसम के बदलने से तापमान में उतार-चढ़ाव आता रहता है और इसकी के वजह से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। शरीर के कमजोर होने से यह फ्लू जैसी समस्याए हो जाती है। फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। यह एक व्यक्ति से दूसरें में प्रवेश कर जाती है। आज हम आपको इसके इलाज के बारे में बताएंगे। फ्लू से बचने के लिए ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक नई वैक्सीन इलाज को शुरू किया है, जो संक्रामक विषाणुओं से रक्षा करेगा साथ ही भविष्य में फैलने वाले फ्लू को रोकने में मदद करेगा। इस वैक्सीन की एक खुराक से 88त्न फ्लू पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में फ्लू से निपटने के लिए वैश्विक टीके तैयार किए हैं, जिनमें से एक टीका 88 प्रतिशत फ्लू से निजात दिलाएगा। दूसरा टीका 95 प्रतिशत अमेरिकी इंफ्लूएंजा के लिए बनाया गया है। वैक्सीन की खोज को बहुत बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ब्रिटेन के लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डेरेक गैदरर के मुताबिक वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित इलाज है। उन्होंने बताया है कि अगले साल तक इसे मार्किट में लाया जाएंगा।

चलने के बाद पैरों में दर्द बड़े खतरे की निशानी

आजकल जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, टांगों में उभरने वाली नीले रंग की मकड़ीनुमा नसों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जिस रफ्तार से हम लोग आरामतलब व विलासितापूर्ण जीवन शैली को अपना रहे हैं, उसी रफ्तार से हमारी टांगें वेरीकोस वेन्स की शिकार हो रही हैं। शुरूआती दिनों में हम लोग स्वभावत इनकी उपेक्षा करते हैं, पर जब तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है, तो इधर-उधर बगैर सोचे-समझे परामर्श लेना शुरू कर देते हैं। इस तरह के अधकचरे इलाज का परिणाम टांगों में कालिमा या लाइलाज घाव के रूप में निकलता है। सबसे ज्यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। नियमित चलने की आदत को जिसने अलविदा कहा और ज्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को जाने-अनजाने या मजबूरी में गले लगाया, उसकी टांगों में वेरीकोस वेन्स का देर-सवेर प्रकट होना नित है।

कैसे पहचानें?

अपनी टांगों व पैर का ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए। अगर आपको केंचुआनुमा या मकड़ीनुमा उभरी हुई नीले रंग की नसें टांगों की त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान व काले रंग के चकत्ते या बिंदियां दिखाई पड़ रही हैं, तो आप यकीनन वेरिकोस वेन्स से ग्रसित हो चुके हैं। अगर थोड़ा चलने के बाद आपके पैरों में सूजन या थकान या हल्का दर्द महसूस होने लगे तो आप समझ जाइए कि आप वेरीकोस वेन्स के शिकार होने जा रहे हैं। अगर चलने के बाद टांगों में थोड़ी लाली व उभरी हुई नीले रंग की नसें दिखने लगें तो यकीन वेरीकोस वेन्स से आपका नाता जुड़ चुका है।

कारण

अगर आप आरामतलब व बैठे रहना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो आपकी टांगें वेरीकोस वेन्स से दूर नहीं हैं। आप कुछ इस तरह समझ लें कि अगर आप गुसलखाने में स्नान करने जाएं जहां शुद्ध जल सप्लाई करने वाला पानी का नल व स्नानघर से निकलने वाली नाली दोनों सुचारू रूप से काम कर रहे हैं तो नहाने वाले को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि नल से निकलने वाले शुद्ध पानी से जब आप स्नान करेंगे तो गंदा पानी नाली द्वारा बाहर निकलता रहेगा। अगर कहीं नाली संकरी हो जाए या ठीक से अपना काम न करे या किसी वजह से उसमें रुकावट आ जाए, तो जाहिर है कि वह साबुन मिश्रित गंदा पानी आपके नहाने के बाद बाथरूम में इकट्ठा होता रहेगा और निकलने का दूसरा रास्ता ढूंढने लगेगा जैसे बाथरूम की दीवारों से रिसना या दरवाजे की दरार से निकलना या ऊपर तक भर जाने पर खिड़की से रिसना। ठीक उसी तरह से बाथरूम की जगह आप अपनी टांग को समझ लीजिए, जिसमें धमनियों यानी पैरों की आर्टरी से शुद्ध रक्त निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसकी वजह से चलने के लिए जरूरी आक्सीजन की हमेशा आवश्यकता रहती है, टांगों की मांसपेशियों को आक्सीजन सप्लाई करने के बाद, रक्त आक्सीजन रहित व गंदा हो जाता है। यह रक्त अब तभी लाभदायक और फिर से इस्तेमाल यानी पैरों को दोबारा से सप्लाई करने लायक बनेगा जब दोबारा इसमें आक्सीजन डाली जाए। इसके लिए यह जरूरी है कि पैर में इकट्ठा हुआ यह गंदा रक्त ऊपर चढ़ कर दिल के जरिए फेफड़े तक पहुंचे। फेफड़े में फिर से आक्सीजन प्राप्त करके दोबारा फिर सर्कुलेशन में आए और आर्टरी के जरिए फिर से पैरों को शुद्ध रक्त पहुंचे। अगर किसी भी कारण से अशुद्ध रक्त ऊपर नहीं चढ़ेगा तो उसके पैर व टांगों में इकट्ठा होने की क्रिया बढ़ती जाएगी और टांगों में सामान्यत सोई हुई वेन्स गंदे रक्त से भरने लगेंगी और फूलने के कारण खाल के नीचे उभरी हुई मकड़ी के जाले की तरह दिखने लगेंगी। यहीं से वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो जाती है।

सर्जरी व लेजर तकनीक में अंतर

दोनों का उद्देश्य एक ही है। वेरीकोस वेन्स से टांगों को छुटकारा दिलाना यानी किसी से पीछा छुड़ाने के दो रास्ते हैं या तो उसको अपने इलाके से बाहर निकलवा दो या फिर उसको अपने इलाके में ही खत्म कर दो। ठीक उसी तरह से वेरीकोस वेन्स को टांग से बाहर निकालने का काम सर्जरी का है और टांग के अंदर ही अंदर खत्म कर देने का काम लेजर तकनीक का है इसलिए वेरीकोस वेन्स के इलाज के रास्ते अलग-अलग हैं पर मंजिल एक ही है।

लेजर से इलाज के फायदे

इस तकनीक में मरीज को बेहोश नहीं करना पड़ता और चमड़ी में कट भी नहीं लगाने पड़ते इसलिए टांके लगवाने और कटवाने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल में ज्यादा दिन तक रुकना नहीं पड़ता। एक दिन में ही मरीज घर जा सकता है। न ब्लीडिंग, न ड्रैसिंग का चक्कर। अगले दिन से ही मरीज अपने काम पर लौट सकता है। फिलहाल मरीज के लिहाज से व उपचार के लिहाज से भी यह तकनीक अत्यंत सुगम व लाभदायक है। इसके अलावा आर.एफ.पी नामक एक नई उपचार विधि विकसित हुई है जो लेजर तकनीक की तुलना में अधिक लाभदायक है।

इलाज

अगर आपको लगता है आपकी टांगों में वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो चुकी है तो हाथ पर हाथ धर कर मत बैठिए, तुरंत किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श लें। वेरीकोस वेन्स की शुरूआत होने पर, तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि अपनी आरामपसंद दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोज सुबह व शाम को एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे पार्क में टहलना पड़ता है। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज्यादा लटका कर नहीं बैठना होता है और न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहना होता है। अपने बढ़े हुए वजन को घटाना पड़ता है। दिन में चलते वक्त एक विशेष किस्म की जुराबों को टांगों पर पहनना पड़ता है। इसके साथ-साथ हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करते रहना पड़ता है। अगर वेरीकोस वेन्स पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं या पैरों पर काले निशान व चकत्ते उभर आते हैं या सूजन व लाली बनी रहती है या फिर घाव उभरने लगे हों, तो ऐसी परिस्थितियों में सर्जरी या लेजर या आर.एफ.ए. तकनीक का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए किसी ऐसे अस्पताल में जाएं जहां वैस्क्युलर सर्जरी का महकमा हो और इन सब इलाजों की सुविधा हो।

रेसिपी

आलू कबाब

सामग्री

- 2 आलू (उबले हुए)
- 2 हरी मिर्च (कटी हुई)
- 1 टीस्पून अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
- 1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
- 1 टीस्पून सेंधा नमक
- 1 कप व्रत के चावल

विधि

सबसे पहले उबले हुए आलओं को कद्दूकस कर लीजिए। अब एक बाऊल में कद्दूकस किए गए आलू, हरी मिर्च, अदरक, काली मिर्च पाऊडर और सेंधा नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।, अब इस मिश्रण हाथ में ले और छोटी-छोटी बॉल बना लें। अब इन बॉल्स को व्रत के आटे में रोल करें। अब एक कडाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर तैयार की गई बॉल्स को फ्राई करें। आलू कबाब तैयार है। इन्हें नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

ड्राईफ्रूट शेक

सामग्री

- 3 कप ठंडा दूध, 2 टेबलस्पून शहद
- 8 काजू, 6 बादाम, 10 किशमिश
- 8 पिस्ता, 1 अखरोट
- आधा टीस्पून इलायची पाऊडर
- 3 अंजीर और खजूर (दूध में भिगोए हुए)
- शक्कर स्वादानुसार, 3 टीस्पून वेनीला एक्सट्रेक्ट
- मिक्स ड्रायफ्रूट्स (कटे हुए)

विधि

शेक बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में भिगोए हुए अंजीर-खजूर, आधा कप दूध और सारे ड्राईफ्रूट्स डालकर मिक्सर में पीस लें। दूध में शहद, इलायची पाऊडर और शक्कर मिलाकर ब्लेंड करें। अब इसमें ड्राईफ्रूट्स पेस्ट और वेनीला एक्सट्रेक्ट डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। जब शेक बन जाएं तो फ्रिज में आधे घंटे के लिए ठंडा करने के लिए रखें। अब गिलास में डालकर ड्राईफ्रूट्स से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**